RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 187 , गुरुवार, 20 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डीएम ने निर्माणाधीन ओबीसी कन्या आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण 03

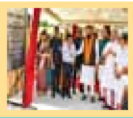
सीएम ने बलुआ में स्व. डॉ. जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा का किया अनावरण 04

साउथ एक्ट्रेस मालविका शर्मा से बीफ पर पुछा गया सवाल, रिपोर्टर पर... 07

संक्षिप्त समाचार

बिहार में छात्रों के समर्थन में आरजेडी का प्रदर्शन

- तेजस्वी यादव हिरासत में लिए गए,वाटर कैनन चलाई गई

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों के साथ तेजस्वी डाकबंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर

पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इसके बाद तेजस्वी को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि मैं जेल से डरने वाला नहीं हूं। हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था। जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है। कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस के ऊपर पानी की बोतलें भी फेंकीं। कुछ कार्यकर्ता लकड़ी की एके-47 लेकर भी पहुंचे। आईजी लॉ एंड आर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने जवानों को निर्देश दिया कि झंडे का सम्मान और लाठी का इस्तेमाल समझदारी से करें। तेजस्वी यादव 5 साल बाद सड़क पर संघर्ष करने उतरे। इससे पहले 2021 में बिहार सरकार के एक प्रस्ताव के खिलाफ तेजस्वी यादव सड़क पर उतरे थे। हिरासत में लिए जाने के बाद मीडिया से तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार छात्रों के साथ धोखा कर रही है।

मैं इस लड़ाई में आदिवासी भाई-बहनों के साथ खड़ा हूं

- केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के प्रभावितों से मिले राहुल

छतरपुर (एजेंसी)। छतरपुर में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के खिलाफ चल रहे आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं, विस्थापन, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राहुल गांधी के सामने रखा। आंदोलन कारियों

ने राहुल को बताया कि प्रभावित आदिवासी समुदाय लंबे समय से अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर सत्याग्रह कर रहा है। उन्होंने आंदोलन के दौरान सामने आई परेशानियों और प्रभावित परिवारों की मांगों की जानकारी भी राहुल को दी। राहुल ने बुधवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो साझा कर आंदोलन कारियों के संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने कहा- अपने जायज हक की लड़ाई लड़ रहे बुंदेलखंड के निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों का आंदोलन हो गया है खत्म

- सरकार के निर्णय के बाद प्रदर्शनकारियों ने लिया फैसला

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन समाप्त हो गया। बुधवार को जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। हालांकि दूसरे गुट के छात्र आगे की रणनीति पर बैठक कर रहे हैं और जल्द ही उनकी ओर से भी आंदोलन को समाप्त किए जाने की घोषणा किए जाने का संकेत दिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंचके छात्र नेता रामावतार महतो ने फिलहाल अपने प्रदर्शन को समाप्त करने की। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से पिछले 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू किया था।

दूसरे गुट के छात्रों की बैठक जारी

एक मंच की ओर से आंदोलन खत्म करने की घोषणा के बाद जयपाल सिंह स्टेडियम में आंदोलन स्थल पर छात्रों के बीच मतभेद भी सामने आए हैं। दूसरे गुट से जुड़े छात्र दोपहर तक स्टेडियम में बैठक करते रहे। इस गुट के छात्र आपस में चर्चा कर आगे की रणनीति तय करने में जुटे रहे।

नीट का सिस्टम फुलप्रूफ इसे तोड़ना होगा मुश्किल

- सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा-पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय रखी जाती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है।

जेन जी को साधने में लगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

तीन दिन की समन्वय बैठक में तय किया जाएगा रोडमैप

युवाओं को केंद्र में रखकर रोजगार, शिक्षा पर चर्चा होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर के साथ ही रांची में हुए छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी जोर युवाओं की ओर बढ़ा है। इसलिए 19 से 21 अगस्त के बीच विशाखापत्तनम में सरसंघचालक व सरकार्यवाह की मौजूदगी में भाजपा, एबीवीपी समेत 32 संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों की अखिल भारतीय समन्वय बैठक होने जा रही है। इस बैठक में युवाओं को केंद्र में रखते हुए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। प्रति वर्ष होने वाली इस समन्वय बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह और अन्य केंद्रीय अधिकारियों की विशेष मौजूदगी रहेगी।

संघ के प्रति बढ़ा युवाओं का आकर्षण

संघ शताब्दी वर्ष में युवाओं का आरएसएस के प्रति आकर्षण बढ़ा है। संघ की वेबसाइट पर ज्वॉइन आरएसएस के माध्यम से वर्ष 2025 में जनवरी से जुलाई के बीच 55 हजार 423 लोगों ने संघ से जुड़ने के लिए पंजीकरण करवाया था। 2026 में इसी अवधि के बीच यह संख्या ढाई गुना बढ़कर एक लाख 23 हजार 287 हो गई है। जुलाई 2025 में इनकी संख्या 9718 रही, जबकि जुलाई 2026 में 24 हजार 86 लोगों ने पंजीकरण कराया है।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं बुजुर्ग

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, कहा-असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए

कोर्ट ने कहा-उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

लखनऊ के मकान से जुड़ा मामला

यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था। यह मकान उनकी खुद की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामला तब सामने आया, जब गुप्ता की 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। एसडीएम ने 15 नवंबर 2022 को बेटे की बेदखली का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द किया था

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की।

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे

ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले-पहले नोटिस देंगे,3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

मुंबई (एजेंसी)। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य सरकार 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू करने वाली है, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' नहीं है। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा।

अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। परिवहन की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी।

करीब 6 लाख ड्राइवरों को मराठी सिखाने की योजना

सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में चलती हैं। सरकार करीब 6 लाख ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने की पहल से जोड़ना चाहती है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी हैं।

मोदी कैबिनेट ने पांच बड़ी परियोजनाओं को दी मंजूरी

13041 करोड़ रुपये के रेल-रोड प्रोजेक्ट किए गए मंजूर

हावड़ा-चेन्नई रूट पर बढ़ेंगी लाइनें, बिहार को मिला तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कुल 13,041 करोड़ रुपये की लागत वाली 5 बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें चार रेलवे प्रोजेक्ट और एक हाईवे प्रोजेक्ट शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि तीन रेलवे परियोजनाएं हावड़ा-चेन्नई हाई डेंसिटी नेटवर्क का हिस्सा हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद हावड़ा से चेन्नई तक लगातार चार रेलवे लाइन का कॉरिडोर तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे ज्यादा ट्रेनें चलाना आसान होगा और माल ढुलाई की क्षमता भी बढ़ेगी। हावड़ा-चेन्नई रेल मार्ग देश के सबसे महत्वपूर्ण रेलवे कॉरिडोर में से एक है।

बिहार में नेपाल सीमा तक बनेगा 4-लेन हाईवे

कैबिनेट ने बिहार के मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा (नेपाल सीमा) तक 83 किमी लंबे 4-लेन हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। इसकी लागत 3,591 करोड़ रुपये है। इसे हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को 30 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें सात बड़े पुल, तीन रोड ओवर ब्रिज, छह व्हीकुलर अंडरपास और बागमती नदी पर 340 मीटर लंबा बड़ा पुल शामिल होगा।

यात्री और माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी

केंद्र सरकार के मुताबिक, इन पांचों परियोजनाओं से यात्री और माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी। रेलवे और हाईवे की बेहतर कनेक्टिविटी से बंदरगाहों, औद्योगिक क्षेत्रों, खनन क्षेत्रों और प्रमुख शहरों के बीच सामान पहुंचाना आसान होगा। रेल परियोजनाओं से कुल मिलाकर बड़ी मात्रा में अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता तैयार होगी। इससे लॉजिस्टिक्स लागत घटाने, रोजगार पैदा करने और सड़क की तुलना में रेल के जरिए माल ढुलाई बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बिहार को एक और अमृत भारत की मिली सौगात

भागलपुर को अहमदाबाद से जोड़ेगी, जनरल डिब्बे नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार को एक और अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। यह ट्रेन दक्षिण बिहार के भागलपुर को गुजरात के अहमदाबाद से जोड़ेगी। सप्ताह में एक दिन चलने वाले इस ट्रेन की शुरुआती यात्रा आगामी 26 अगस्त को अहमदाबाद से शुरू होगी। हम बता रहे हैं इस ट्रेन का टाइम टेबल, चलने का दिन और स्टॉपेज के बारे में। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद से भागलपुर के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की सेवा सप्ताह में सिर्फ एक दिन मिलेगी। अहमदाबाद से चलने वाली इस ट्रेन का नंबर 19423 होगा जबकि भागलपुर से चलने वाली इस ट्रेन का नंबर 19424 होगा। अहमदाबाद से भागलपुर के लिए यह ट्रेन हर सप्ताह बुधवार को रवाना होगी। भागलपुर से अहमदाबाद के लिए चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस हर सप्ताह शुक्रवार को रवाना होगी।

डाकिए का इंतजार खत्म! आसमान से पहुंचेगी चिट्ठी-पार्सल

- असम और हिमाचल में ड्रोन सेवा की शुरुआत, व्यवस्था का विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दराज के गांवों तक डाक पहुंचाने का तरीका बदलने जा रहा है। पहाड़ों और मुश्किल रास्तों के बीच अब डाक का इंतजार कम होगा। इंडिया पोस्ट ने दुर्गम इलाकों में डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश में 12 जून से मंडी-रेहड़धार मार्ग पर इसकी शुरुआत हुई और अब असम में भी पहली ड्रोन उड़ान के साथ इस व्यवस्था का विस्तार किया गया है।

विभाग का लक्ष्य असम और हिमाचल प्रदेश में करीब 150 निर्धारित मार्गों पर ड्रोन आधारित डाक सेवा शुरू करना है।

सड़क बंद तो भी पहुंच सकता है डाक का बैग

अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल का विचार सरल है। जिन रास्तों पर सड़क से डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है, वहां ड्रोन तय मार्ग से सीधे डाक का बैग पहुंचा सकते हैं। इससे मुख्य सड़कों से दूर बसे समुदायों तक पहुंच बेहतर हो सकती है। खासकर असम में मौसमी बाढ़ और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और पहाड़ी भूभाग के कारण प्रभावित होने वाले मार्गों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है। इसका मकसद केवल रफ्तार बढ़ाना नहीं, बल्कि डाक के बैग की आवाजाही को ज्यादा भरोसेमंद और आसानी से निगरानी योग्य बनाना भी है।

ड्रोन की उड़ान आसान लेकिन खर्च बड़ी चुनौती

हालांकि, इस बदलाव के सामने कई चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती लागत की है। इंडिया पोस्ट इस सेवा के संचालन के लिए निजी कंपनी के साथ काम कर रहा है। ऐसे में हर ड्रोन उड़ान और हर डाक बैग को पहुंचाने की लागत का आंकलन जरूरी होगा। ड्रोन के रखरखाव, कर्मचारियों, बैटरी, बीमा, तकनीक और खराब मौसम के कारण उड़ान प्रभावित होने जैसी लागत भी इसमें शामिल हो सकती है। इसलिए तेज डिलीवरी अपने आप सस्ती डिलीवरी नहीं होगी। पूरे तंत्र को लंबे समय तक चलाने की आर्थिक व्यवहार्यता भी इस प्रयोग की सफलता का अहम पैमाना होगी।

150 मार्गों पर होगी असली परीक्षा

करीब 150 मार्गों तक नेटवर्क के विस्तार के साथ कई सवाल भी महत्वपूर्ण हो जाएंगे। डाक के बैग की वास्तविक समय में निगरानी कैसे होगी। मार्ग से ड्रोन के भटकने की स्थिति में क्या व्यवस्था होगी। खराब मौसम में उड़ान कैसे संचालित होगी। आपात स्थिति में डाक के बैग की सुरक्षित बरामदगी कैसे होगी। इन सभी पहलुओं को अलग-अलग इलाकों और मौसम की परिस्थितियों में परखा जाना होगा। असम में 40 और हिमाचल प्रदेश में 110 स्थानों को जोड़ने की योजना के कारण यह केवल एक छोटा परीक्षण नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर डाक व्यवस्था को बदलने की कोशिश है।

दूर गांवों तक तेज कनेक्टिविटी की उम्मीद

इंडिया पोस्ट के लिए असम में पहली ड्रोन उड़ान इस प्रयोग के अगले चरण की शुरुआत है। इसके संभावित फायदे भी बड़े हैं। ड्रोन यात्रा का समय घटा सकते हैं। मुख्य सड़कों से दूर बसे समुदायों तक डाक पहुंच बेहतर हो सकती है। मुश्किल मार्गों पर पारंपरिक परिवहन पर निर्भरता भी कम हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में शुरुआती अनुभव ने दिखाया है कि जहां सड़क से घंटों लगते हैं, वहां ड्रोन कुछ ही मिनटों में डाक पहुंचा सकता है। अगर असम और हिमाचल प्रदेश के प्रस्तावित मार्गों पर यह व्यवस्था सफल रहती है, तो दूर-दराज के लोगों के लिए डाक नेटवर्क से जुड़ना पहले से तेज और भरोसेमंद हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में बाइक सवार को गोलियों से भूना, सिक्सलेन पुल पर सिर-पेट में मारी गोली, मौके पर मौत

हाजीपुर। वैशाली में एक बाइक सवार युवक को गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधी मौके पर घात लगाए बैठे थे। तभी अचानक बिदुपुर से रुस्तमपुर के बीच सिक्सलेन पुल पर पाया नंबर 32 के पास अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया और गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही राघोपुर रुस्तमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चेचर निवासी 22 वर्षीय अंशुमन कुमार, पिता सुनील कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना बुधवार दोपहर वैशाली के राघोपुर रुस्तमपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक अंशुमन दो भाई में छोटा था, वह राजमिस्त्री के साथ मजदूरी का काम रहता था। बुधवार को वह दादा के लिए दवा लाने पटना जा रहा था, इसी दौरान बदमाशों ने उसे गोली मार दी। पुलिस हत्या के कारणों और वारदात में शामिल अपराधियों की पहचान के लिए छानबीन कर रही है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

अरुणाचल प्रदेश में 14 अगस्त को बादल फटा, 5 जवान लापता, वैशाली के अग्निवीर आदित्य भी शामिल

हाजीपुर। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली जिले में पिछले दिनों बादल फटा और भूस्खलन हुआ। इस हादसे में सेना के सात जवान लापता हुए थे, जिनमें 2 का रेस्क्यू कर लिया गया है। लापता जवानों में हाजीपुर सदर प्रखंड के दौलतपुर देवरिया पंचायत के सैदपुर रजौली गांव रहने वाले अग्निवीर आदित्य कुमार भी शामिल हैं। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी आदित्य का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जानकारी के अनुसार, सैदपुर रजौली निवासी आशुतोष कुमार के बड़े बेटे आदित्य कुमार अप्रैल 2025 में सेना की अग्निवीर में भर्ती हुए थे। लापता अग्निवीर जवान रक्षाबंधन से चार दिन पहले घर आने वाला था। जिसके पहले ही यह घटना हुई है। आदित्य और अनीश परिवार में सिर्फ दो भाई थे। पिता आशुतोष कुमार किसान हैं। दादा चंद्रकेत प्रसाद यादव शिक्षा विभाग से रिटायर्ड हैं। जवान की मां अंजू कुमारी गृहिणी हैं। लापता जवान की मां ने बताया कि आदित्य ने 14 अगस्त को कॉल किया था और बोला था जहां ड्यूटी है, वहां नेटवर्क नहीं है। शाम को नेटवर्क मिलते ही कॉल करूंगा, फिलहाल ड्यूटी के लिए निकल रहा हूं। 14 अगस्त की शाम तक बेटे के फोन का इंतजार किया, लेकिन कॉल नहीं आया और ना ही 15 अगस्त को कॉल आया। सेना के सूबेदार ने मेरे पति को फोन किया और और बताया कि बादल फटने के कारण सात जवान बह गए हैं। इसमें आदित्य भी शामिल है। उसका अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है। मेरा बेटा मार्च महीने में ड्यूटी पर गया था। आदित्य का छोटा भाई भी अग्निवीर जवान है और वह सिक्किम में पोस्टेड है। लापता जवान के पिता आशुतोष कुमार ने बताया कि रविवार को सूबेदार ने कॉल कर घटना की सूचना दी। सूबेदार मेजर संजय कुमार ने कहा- यहां बादल फटने से 7 जवान बह गए हैं, जिसमें 2 का रेस्क्यू किया गया है। एक जवान झाड़ी में फंसा हुआ था और दूसरा नाले में फंसा हुआ था। उन दोनों में से आपका बेटा नहीं है। पांच जवान लापता हैं, उनमें आपका बेटा भी शामिल है। घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। टीम की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मेरा बेटा 22 अगस्त को घर आने वाला था और उसे छुट्टी मिल गई थी। घर आने से पहले ही यह हादसा हो गया। घटना के 5 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई अपडेट नहीं मिल रहा है।

विसहर मेला घूमने गए युवक पर तेजाब हमलाःपुरानी रंजिश में गंभीर रूप से झुलसा, अस्पताल में भर्ती

हाजीपुर। गोरौल थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश के चलते एक युवक पर तेजाब से हमला किया गया है। यह घटना तब हुई जब रूकमंजरी चौक पर शुरू हुआ एक मामूली विवाद बढ़ गया। आरोप है कि मेला घूमने गए युवक पर बेरहमी से हमला किया गया और उस पर तेजाब फेंका गया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान गोरौल थाना क्षेत्र निवासी शिव प्रसाद राय के पुत्र रविंद्र कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद से इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर शाम गोरौल थाना क्षेत्र के रूकमंजरी चौक पर गांव के ही राजेंद्र राय और रविंद्र कुमार के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई थी। इस विवाद के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदार व राहगीर जमा हो गए। हालांकि, उस समय स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को शांत करा दिया था। सोमवार देर शाम को ही गोरौल थाना क्षेत्र के रसूलपुर कोइरी गांव में पारंपरिक विसहर मेला लगा हुआ था। शांत कराया गया यह विवाद तब खूनी संघर्ष में बदल गया जब रविंद्र कुमार मेले में घूमने गया। आरोप है कि राजेंद्र राय और उसके परिजनों ने मेले में रविंद्र को अकेला पाकर उसे घेर लिया। पुरानी रंजिश के चलते उन्होंने पहले रविंद्र के साथ लाठी-डंडों और हाथों से जमकर मारपीट की, जिससे वह लहूलुहान हो गया। इसके बाद, उन पर तेजाब फेंकने का भी आरोप है। तेजाब के हमले से रविंद्र का शरीर बुरी तरह झुलस गया। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से झुलसे रविंद्र कुमार को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर डॉक्टरों द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाने की पुलिस हरकत में आई और सदर अस्पताल पहुंचकर घायल रविंद्र कुमार का फर्द बयान दर्ज कर लिया है जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वही गोरौल थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पुरे मामले कि जांच पड़ताल कि जा रही है। मेला में गर्म तेल फेंकने कि बात कही जा रही है।

वैशाली में 8000 प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद, 14 लाख रुपए का सिरप जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8000 पीस प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 13 लाख 87 हजार 520 रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मंगलवार की शाम करीब 5 बजे नखास जदूआ मुख्य मार्ग स्थित बाजार समिति के पास एक ट्रांसपोर्ट पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। नगर थाने की पुलिस ने ड्रग इंस्पेक्टर संदीप साह के सहयोग से छापेमारी कर इन प्रतिबंधित सिरप को जब्त किया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जहानाबाद जिला निवासी गौतम के पुत्र आदर्श कुमार के रूप में हुई है। पुलिस आदर्श कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि बाजार समिति स्थित एक ट्रांसपोर्ट से प्रतिबंधित कफ सिरप पिकअप पर लोड कर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही जदूआ ओपी प्रभारी सत्येंद्र कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से कफ सिरप के साथ एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए व्यक्ति से कफ सिरप से संबंधित कागजात मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ड्रग इंस्पेक्टर संदीप साह को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर ड्रग इंस्पेक्टर संदीप साह मौके पर पहुंचे और जांच की। जांच के दौरान उन्होंने बरामद सिरप को अनुज्ञप्ति रहित कोडीन युक्त कफ सिरप पाया। इसके बाद पुलिस ने सभी कफ सिरप को जब्त कर थाने ले आई। ड्रग इंस्पेक्टर संदीप साह ने बताया कि नगर थाने की पुलिस ने उन्हें सूचित किया था कि बाजार समिति के पास से 80 कार्टून में 8000 पीस अनुज्ञप्ति रहित कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया गया है। उन्होंने बरामद कफ सिरप की कीमत करीब 13 लाख 87 हजार 520 रुपए बताई।

बिहार- छात्रों के समर्थन में आरजेडी का राजभवन मार्च

वाटर कैनन चलाई गई, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस पर बोतलें फेंकीं

एजेंसी, पटना

बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान AK-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों के साथ तेजस्वी डाकबंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इसके बाद तेजस्वी को हिरासत में लिया गया। हालांकि, एक घंटा बाद उन्हें छोड़ दिया। तेजस्वी ने कहा कि मैं जेल से डरने वाला नहीं हूं। हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था। जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है।

कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस के ऊपर पानी की बोतलें भी फेंकीं। कुछ कार्यकर्ता लकड़ी की AK-47 लेकर पहुंचे थे। ASP लॉ एंड आर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने जवानों को निर्देश दिया कि झंडे का सम्मान और लाठी का इस्तेमाल समझदारी से करें। तेजस्वी यादव 5 साल बाद सड़क पर संघर्ष करने उतरे। इससे पहले 2021 में बिहार सरकार के एक प्रस्ताव के खिलाफ तेजस्वी यादव सड़क पर उतरे थे।

तेजस्वी बोले- छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया, जिम्मेदारी तय होः राजभवन मार्च के दौरान पुलिस ने तेजस्वी यादव और RJD सांसद मीसा भारती को डिटेन कर लिया। दोनों को सचिवालय थाना ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मीसा भारती ने कहा, "पुलिस मुझे यहां हिरासत में लेकर आई थी। सभी का नाम, पता और बायोडाटा लिया गया और उसके बाद हमें छोड़ दिया गया है।"

वहीं, तेजस्वी यादव ने कहा, "छात्रों पर AK-47 चलाने का आदेश किसने दिया, इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। जब तक मुख्यमंत्री जिम्मेदारी तय नहीं करेंगे पूरी घटना का वक्तव्य नहीं देंगे और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।" तेजस्वी ने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल अभी मौजूद नहीं हैं। राज्यपाल के आने के बाद RJD का प्रतिनिधिमंडल उनसे मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा।

इंजीनियर ने घर के डेकोरेशन पर खर्च किए 40 लाख

एजेंसी, पटना

लघु सिंचाई विभाग में रोहतास डिविजन के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अरविंद कुमार चौधरी के बैंक लॉकर से 137 ग्राम सोना बरामद हुआ है। इसकी कीमत 17 लाख रुपए से अधिक है। अरविंद ने यह बैंक लॉकर पंजाब नेशनल बैंक के मुजफ्फरपुर ब्रांच में ले रखा था।

आर्थिक अपराध इकाई (EOU) की एक टीम पटना से मुजफ्फरपुर गई थी। टीम ने उनके लॉकर की जांच की। उसमें रखे सोने-चांदी के गहनों को बरामद किया। अब पड़ताल चल रही है कि लॉकर से मिले गहने कब खरीदे गए थे? उस पर कितना खर्च हुआ था? इस संबंध में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से सवाल भी पूछे जाएंगे।

30 जुलाई को कई ठिकानों पर हुई थी रेडः दरअसल, भ्रष्टाचार के जरिए आय से अधिक संपत्ति के मामले में 30 जुलाई को आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने पटना में दानापुर के दो फ्लैट, रोहतास के डिहरी ऑन सोन में सरकारी ऑफिस, मुजफ्फरपुर में ससुराल और बांका स्थित पुश्तैनी घर समेत इनके 6 ठिकानों पर एक

साथ छापेमारी की थी। इससे एक दिन पहले पटना में इनके खिलाफ सरकारी सैलरी से 1 करोड़ 19 लाख 98 हजार 534 रुपए आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया था। छापेमारी के दौरान इनके ठिकाने से 9 लाख रुपया कैश, 500 ग्राम सोना, 21 बैंक पासबुक, 17 बीमा पॉलिसी के पेपर, एक फोर व्हीलर और एक बाइक के खरीदे जाने के पेपर जब्त किए गए थे। साथ ही बैंक में जमा 25 लाख रुपए कैश का पता चला था। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर की सास का नाम मीरा रानी जायसवाल है। जांच के दौरान EOU को बैंक ऑफ बड़ौदा में सास के नाम के एक अकाउंट की डिटेल मिली। फिर उसे खंगाला गया। इस अकाउंट से अरविंद कुमार चौधरी की पत्नी मेहा कृष्णा का भी नाम जुड़ा है।

रोहिणी-मांझी की बहू में पोस्ट फाइट, दीपा ने पूछा- आपके भाई तेजस्वी मेडिकल जांच कराएंगे?

एजेंसी, पटना

तेजस्वी यादव को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के बीच शुरू हुआ विवाद अब दोनों परिवारों तक पहुंच गया है। मांझी के तेजस्वी पर नशे में भाषण देने के तंज के बाद रोहिणी आचार्य ने मांझी पर तीखा हमला बोला था। अब इमामगंज की विधायक और जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी ने रोहिणी को लंबा जवाब देते हुए तेजस्वी से जुड़े पुराने पारिवारिक विवादों का जिक्र किया है।

दीपा मांझी ने रोहिणी से सवाल किया कि जिस तेजस्वी और उनके करीबियों पर रोहिणी खुद पहले गंभीर आरोप लगा चुकी हैं, आज उन्हीं के राजनीतिक बचाव में क्यों खड़ी हैं। उन्होंने अंत में तेजस्वी की सार्वजनिक मेडिकल जांच कराने की चुनौती भी दी।

मांझी के बयान से शुरू हुआ

विवादः दरअसल, दशरथ मांझी से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की ओर से जीतन राम मांझी को लेकर श्रद्धांजलि दिए जाने पर मांझी ने तंज कसा था।

उन्होंने कहा था कि लगता है तेजस्वी यादव की 'रात वाली' नहीं उतरी थी और सवाल उठाया था कि कहीं उन्होंने नशे की हालत में तो यह बात नहीं कही। मांझी ने यह भी कहा था कि वे अभी जीवित हैं और जनहित का काम कर रहे हैं। इसके बाद मामला सोशल मीडिया पर तेजी से गरमा गया।

पटना- एलेन के छात्र की हॉस्टल में लटकी मिली लाश, जेईई मेंस की तैयारी कर रहा था

एजेंसी, पटना

पटना के कंकड़बाग इलाके के राधा कृष्ण बॉयज हॉस्टल में छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। मृतक की पहचान महुआ निवासी सत्यम उर्फ उत्कर्ष कुमार के रूप में हुई है। वह पिछले 4 महीने से पटना में रहकर JEE मेंस की तैयारी कर रहा था। एलेन में एडमिशन लिया था। पिता चंद्रशेखर राय ने कहा कि मेरे बेटे की हत्या हुई है। उन्होंने हत्या का आरोप राधा कृष्ण बॉयज हॉस्टल के संचालक, व्यवस्थापक और दूसरे रूममेट पर लगाया है।

पिता बोले- बेटे का पांव पूरी तरह से बेड पर सटा थाः पिता ने कहा, कल रात में 11 बजे बातचीत हुई थी। सबकुछ ठीक था। किसी

तरह की परेशानी नहीं बताई थी। आज 11:16 बजे कॉल मेरे मिसेज के नंबर पर आया कि आपका बेटा रूम में पंखा से लटका है। मैं आनन फानन में भागकर आया तो देखा दरवाजा टूटा था। पुलिस वहां आई

पिता ने हॉस्टल संचालक-रूममेट पर हत्या का लगाया आरोप

हुई थी। बहुत ही संदिग्ध परिस्थिति में शव था। पांव पूरी तरह से बेड पर सटा था। फंदा भी पिछले हिस्से से लगा था। यानि पूरी तरह से संदिग्ध परिस्थिति थी।

कमरे से नहीं मिला सुसाइड नोटः घटना की जानकारी मिलने के बाद कंकड़बाग थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की जांच के लिए FSL की टीम को भी बुलाया गया है, ताकि मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए जा सकें। FSL सीनियर साइंटिस्ट अनिल कुमार सिंह अपनी टीम के साथ पहुंचे थे। कमरे से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक का मोबाइल फोन जब्त किया गया है, जिसे लैब में भेजा गया है।

थानेदार अभय कुमार ने छात्र की मौत की पुष्टि की है। पुलिस की ओर से मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। फिलहाल आवेदन नहीं किया गया है। फिलहाल छात्र की मौत कैसे हुई, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों और संबंधित लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। मामले की जांच के बाद ही घटना के पीछे की वजह सामने आने की उम्मीद है।

टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी छात्र बोले- आंदोलन खत्म नहीं होगा

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने TRE-4 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। छात्रों की मांग है कि TRE-4 में सिर्फ एक ही परीक्षा होनी चाहिए। वे PT और Mains परीक्षा नहीं देना चाहते हैं। उनका कहना है कि सरकार को जो भी नया प्रयोग करना है, वह TRE-5 से करे। इसके अलावा अभ्यर्थी TRE-4 में डोमिसाइल पॉलिसी लागू करने की भी मांग कर रहे हैं।

इस बीच बिहार स्टूडेंट यूनियन की ओर से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखा गया है। इसमें TRE-4 में एकल परीक्षा कराने समेत कई मांगें रखी गई हैं। स्टूडेंट यूनियन ने CM को लिखे पत्र में कहा

है- TRE-4 के विज्ञापन को लेकर पिछले दो साल से शिक्षा विभाग और बिहार सरकार की ओर से आश्वासन दिया जा रहा है। 15 लाख से अधिक अभ्यर्थी काफी हताश, परेशान और निराश हैं। उनकी मांगें पूरी की जाएं।

सैकड़ो की संख्या में अभ्यर्थी रात भर गर्दनीबाग धरना स्थल पर बैठेः TRE-4 और अन्य लंबित परीक्षाओं की मांग को लेकर छात्र कई दिनों से पटना के गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन 'छात्र न्याय सत्याग्रह' पर बैठे हैं। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र सत्याग्रह कर रहे हैं। छात्र नेता दिलीप के साथ सैकड़ो की संख्या में अभ्यर्थी रात भर गर्दनीबाग धरना स्थल पर ही रहेंगे। छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि जैसे ही आज हम लोगों ने प्रदर्शन की शुरुआत की तो TRE 4 का विज्ञापन जारी कर दिया गया।

इस विज्ञापन को लेकर मैं जेल भी गया, मेरे साथ वहां मारपीट की गई हमारी मांग अभी पूरी नहीं हुई है। विज्ञापन जारी हो गया है, लेकिन दो परीक्षा की बात कही गई है। TRE 4 में PT और MAINS की बात कही गई है। नेगेटिव मार्किंग कर दी गई है। जबकि TRE 1, 2 और 3 में ऐसा नहीं था। जो भी एक्सपेरिमेंट करना है वो TRE-5 से कीजिए। PT और MAINS के नाम पर इसको 4 साल लटका दिया जायेगा। TRE-5 में जो भी बदलाव करना है, इसका नोटिस अभी जारी करिए, ताकि अभ्यर्थी उस तरह से उसकी तैयारी करें। BSSC की ओर से एग्जाम का डेट जल्द जारी होना चाहिए।

पटना में गंगा का जलस्तर लाल निशान के पास पहुंचा

एजेंसी, पटना

पटना में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में दीघा घाट पर 42 सेमी और गांधी घाट पर 33 सेमी बढ़ा है। अभी दीघा घाट पर खतरे के निशान से 143 सेमी और गांधी घाट पर 41 सेमी नीचे है। कलेक्ट्रेट से पटना सिटी तक रिवर फ्रंट बना हुआ है। इस पर लोग टहलते थे। इस पर मंगलवार को पानी चढ़ गया। अब कलेक्ट्रेट से गांधी घाट आना-जाना बंद हो गया है।

जिला प्रशासन ने गैर चिह्नित घाटों पर स्नान नहीं करने, गहरे पानी में नहीं जाने, बच्चों पर ध्यान रखने की सलाह दी है। वहीं, डीएम कुंदन कुमार ने सभी सीओ को नदियों के जलस्तर पर नजर रखने और तत्काल रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। वहीं, संबंधित अधिकारियों को नदियों में

सूर्यास्त के बाद नाव के परिचालन पर रोक लगाने, ओवरलोडिंग और गैर निबंधित नावों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पानी से घिरी बिंद टोलीः बिंद टोली पानी से घिर गई है। कुर्जी मोड़ से आने वाला रास्ता बंद हो गया है। वहीं, दियारा इलाके में पानी फैल गया है। नकटा दियारा समेत अन्य गांवों के संपर्क पथ पर एक-दो दिनों में पानी चढ़ने की आशंका है।

पटना में तेज बारिश, 11 जिलों में हैवी रेन का अलर्ट

एजेंसी, पटना

पटना के कुछ इलाकों में दोपहर बाद मौसम बदला है। तेज बारिश हुई है। बिहार के 11 जिलों में आज भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने आज पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीवान, सारण, गोपालगंज, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, अरवल, रोहतास, औरंगाबाद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वहीं, पटना समेत बाकी जिलों में बादल छाए रहेंगे। रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद में बारिश की संभावना है। इन जिलों में मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। IMD के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने लो प्रेशर की वजह से पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे में बिहार में भी इसका असर देखने को मिलेगा। 22-23 अगस्त को कई जिलों में हेवी रेन की चेतावनी है।

पिछले 24 घंटे में पटना, गया समेत 6 जिलों में बारिश हुई। राजधानी में दिनभर बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में झमाझम बारिश भी हुई। इससे कई इलाकों में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई।

पिछले 24 घंटे में बिहार के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। गया में सबसे ज्यादा 122 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके बाद औरंगाबाद में 70.4 मिमी, पटना में 64 मिमी और भोजपुर में 61 मिमी बारिश हुई। बारिश के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। बिहार में मानसून सीजन के दौरान अब तक सामान्य से काफी कम बारिश हुई है।

बिहार का सबसे बड़ा मेगा जॉब फेयर शुरू, पटना के ज्ञान भवन में 112 कंपनियां लेंगी इंटरव्यू

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की ओर से अब तक का सबसे बड़ा 'मेगा जॉब फेयर-2026' बुधवार से पटना के ज्ञान भवन में शुरू हो गया। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग और बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से पांच दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। इसमें 20 हजार से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। रोजगार मेला 23 अगस्त तक चलेगा। यहां रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक युवा अलग-अलग कंपनियों में नौकरी के लिए इंटरव्यू दे सकेंगे। ज्ञान भवन में आज सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में लोग नौकरी के लिए पहुंच रहे है। सभी की हाजिरी लगाई जा रही है फिर उन्हें टोकन दिया जा रहा है।

जिसके बाद छात्र अपने इच्छानुसार कंपनी में बात कर सकते है और इंटरव्यू दे सकते है।

मेगा जॉब फेयर का औपचारिक उद्घाटन युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद करेंगे। राज्य सरकार की ओर से इस रोजगार मेले को युवाओं को निजी क्षेत्र में सीधे

♦ 20 हजार युवाओं को रोजगार देने का टारगेट

रोजगार से जोड़ने की बड़ी पहल के तौर पर देखा जा रहा है। इस मेले में युवाओं को एक ही जगह पर कई बड़ी कंपनियों में नौकरी के लिए आवेदन और इंटरव्यू देने का अवसर मिलेगा। सरकार का दावा है कि कई पदों के लिए बिना लिखित परीक्षा के सीधे इंटरव्यू के आधार पर ऑन-द-स्पॉट भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में 112 कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार युवाओं का चयन करेंगी। इनमें बैंकिंग, फाइनेंस, रिटेल, ई-कॉमर्स, आईटी, लॉजिस्टिक्स और अन्य क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं।

10वीं पास से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक को मौकाः मेगा जॉब फेयर में केवल ग्रेजुएट युवाओं को ही नहीं, बल्कि अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों को भी नौकरी का मौका मिलेगा। कम से कम 10वीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा 12वीं पास, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, आईटीआई और डिप्लोमा धारक युवा भी अपनी योग्यता और अनुभव के अनुसार अलग-अलग पदों के लिए इंटरव्यू दे सकते हैं। इस रोजगार मेले में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों से किसी तरह का आवेदन शुल्क नहीं लिया जा रहा है। यानी युवा पूरी तरह निःशुल्क इस रोजगार मेले में हिस्सा ले सकते हैं। हालांकि, मेले में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। बिना ऑनलाइन पंजीकरण के किसी भी उम्मीदवार को ज्ञान भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण की सराहना

टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक लाइव में बोले– प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर बुधवार को 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर विशेष फेसबुक लाइव संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रकृति संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रकृति प्रहरी केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का सार्थक अभियान है। उन्होंने कहा, "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है" तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी ने विद्यालयों में पौधारोपण, जल संरक्षण और ऊर्जा बचत जैसे व्यवहारिक उपाय अपनाने पर जोर दिया। वहीं, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुजीत कुमार दास ने पोषण वाटिका और 'डिजिटल उपवास' के माध्यम से बच्चों को प्रकृति से जोड़ने की बात कही। पत्रिका के संपादक अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रकृति प्रहरी का उद्देश्य पर्यावरणीय विचारों को व्यवहार में बदलते हुए जनभागीदारी को मजबूत करना है। कार्यक्रम का संचालन कुमार अभिषेक, अभिषेक कुमार एवं प्रिया कुमारी ने किया। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि अभियान जल संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई, पिस्टल व कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। लखौरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस एवं चार खाली खोखा के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, लखौरा थाना क्षेत्र के ग्राम लखौरा पुरवारी टोला में दिवारकर कुमार के मकान पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस एवं चार खाली खोखा बरामद किया गया। मामले में दिवाकर कुमार, पिता-दिलीप सहनी, निवासी-लखौरा पुरवारी टोला तथा संजय कुमार, पिता-गेनीलाल सहनी, निवासी-लखौरा ब्रह्म टोला, दोनों थाना-लखौरा, जिला-पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

750 ग्राम गांजा जैसे मादक पदार्थ के साथ नेपाली नागरिक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। सूखा नशा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सुगौली थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुगौली बाजार के पास से एक व्यक्ति को 750 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नेपाल के बारा जिले के जीतपुर निवासी रमाकांत मुखिया के पुत्र राजन मुखिया के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 750 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। मामले में सुगौली थाना में कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

विभिन्न कांडों में आठ अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। जिले में अपराध नियंत्रण एवं लंबित कांडों में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत मोतिहारी पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। कोटवा थाना अंतर्गत भरण-पोषण वाद संख्या-399/2019 में एक अभियुक्त, कांड संख्या-336/2026 में एक अभियुक्त तथा टीआर संख्या-3617/26 में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इन मामलों में कुल चार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है। छतौनी थाना कांड संख्या-449/26 (हत्या का प्रयास) के प्राथमिक अभियुक्त अभिषेक कुमार उर्फ ओम पटेल, पिता-स्व. अनिल पटेल, निवासी-भगवानपुर जिरात, थाना-छतौनी, जिला-पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। वहीं मधुबन थाना कांड संख्या-142/24 (आर्म्स एक्ट) में एक अभियुक्त तथा भरण-पोषण वाद संख्या-110/16 एवं 33/19 में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। मधुबन थाना क्षेत्र से कुल तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और विभिन्न मामलों में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

शराब सेवन के आरोप में पांच गिरफ्तार

बीएनएम@ मधुबन। मोतिहारी जिले में शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मधुबन थाना पुलिस ने मधुबन बाजार में छापेमारी कर शराब सेवन करने के आरोप में पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मधुबन बाजार में शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान पांच लोगों को शराब सेवन के आरोप में पकड़ा गया। सभी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

67 राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से चमकी फिल्म 'चम्पारण सत्याग्रह'

बीएनएम@ मोतिहारी

1917 के ऐतिहासिक चम्पारण सत्याग्रह पर आधारित फीचर फिल्म 'चम्पारण सत्याग्रह' ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। युवराज मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को अब तक 67 राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जबकि इसका 6 देशों के 12 फिल्म फेस्टिवलों में आधिकारिक चयन हुआ है। फिल्म का चयन दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल और भारत के प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में हुआ। इनमें अफ्रीकन फिल्म फेस्टिवल, सिंगापुर लायन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, क्राउन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (बांग्लादेश), नेपाल विंग्स इंटरनेशनल क्रिटिक्स फिल्म फेस्टिवल, नोएडा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और गोवा इंटरनेशनल फिल्म कंपटीशन प्रमुख हैं। फिल्म के लेखक, अभिनेता एवं निर्देशक डा. राजेश अस्थाना ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरी टीम और चम्पारण की ऐतिहासिक धरती का सम्मान है। उन्होंने कहा कि स्थानीय इतिहास और अपनी मिट्टी की कहानियां भी विश्व स्तर पर दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित कर सकती हैं। फिल्म का उद्देश्य महात्मा गांधी के प्रथम सत्याग्रह तथा चम्पारण के संघर्ष, सत्य, अहिंसा और सामाजिक परिवर्तन के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। फिल्म में 168 कलाकारों ने अभिनय किया है, जबकि लगभग 1000 जूनियर आर्टिस्ट के साथ बैल, घोड़े और हाथी जैसे जीवंत दृश्यों का भी फिल्मांकन किया गया है। फिल्म की सह-निर्मात्री डा. सीमा रानी, अस्मिता राज और सुरभि श्रीवास्तव हैं। गीत पंडित अश्विनी कुमार आँसू एवं डा. राजेश अस्थाना ने लिखे हैं, जबकि संगीत स्नेहाशीष शिबू देब का है। यह उपलब्धि चम्पारण के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सिनेमाई महत्व को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाली मानी जा रही है।

गन्ने के खेत में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

बीएनएम@ हरसिद्धि/मोतिहारी

» गुड्डूपुर सरेह की घटना; करीबी रिश्तेदार पर पुलिस का शक, एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गुड्डूपुर सरेह में बुधवार को एक महिला की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंक दिए जाने की आशंका से इलाके में सनसनी फैल गई। मुख्य सड़क के किनारे स्थित खेत में शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मृतका की पहचान पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बनकटवा गांव निवासी नगमा खातून (50 वर्ष), पति झमन मियां, के रूप में की है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या के पीछे मृतका के एक करीबी रिश्तेदार की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। पारिवारिक विवाद, आपसी रंजिश तथा अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्य और टेक्निकल सेल की सहायता से घटना की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सत्यता सामने आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल इस मामले में परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने और साक्ष्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर बीपीआरओ व न्याय सचिवों की बैठक

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में बुधवार को एडीआर भवन, सिविल कोर्ट परिसर में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता और प्रत्येक न्याय पंचायत में विधिक सहायता क्लिनिक की स्थापना को लेकर बैठक हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में करीब 90 बीपीआरओ एवं न्याय सचिवों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक सुलह योग्य मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करना और आम लोगों तक लोक अदालत एवं निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी पहुंचाना था। सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्रों में लंबित एवं सुलह योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए प्रेरित करें। मोतिहारी प्रखंड की सभी न्याय पंचायतों में विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। सचिव ने कहा कि इन क्लिनिकों के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को उनके अधिकारों, कानूनी उपायों और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने पंचायत स्तर पर विधिक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश देते हुए नालसा की योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, बाल विवाह निषेध, बाल संरक्षण, महिला एवं वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, नशा मुक्ति, मानव तस्करी और साइबर अपराध से बचाव सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। सचिव ने कहा कि "न्याय तभी सार्थक है, जब उसकी जानकारी और पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो।" उन्होंने सभी प्रतिभागियों से पंचायत स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए विधिक जागरूकता को जन-आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार, जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर तक पहुंचाने तथा अधिकाधिक पात्र एवं सुलह योग्य मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

डीएम ने निर्माणाधीन ओबीसी कन्या आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को तुरकौलिया प्रखंड के बिजुलपुर स्थित निर्माणाधीन अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस-2 विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विद्यालय भवन का निर्माण कार्य अविलंब पूर्ण कराने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालय भवन तक पहुंचने के लिए रास्ते की आवश्यकता को देखते हुए संबंधित विभाग को रास्ते का प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। जिला पदाधिकारी ने निर्माण कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होने देने तथा निर्धारित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी, जिला पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग तथा अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या प्लस-2 आवासीय विद्यालय के नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारत को जानो की अखिल भारतीय लिखित परीक्षा 31 अगस्त को

बीएनएम@ रक्सौल

रक्सौल के 10 विद्यालयों के 400 से अधिक विद्यार्थी होंगे शामिल, तैयारियां पूरी

भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित 'भारत को जानो' सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता की अखिल भारतीय लिखित परीक्षा 31 अगस्त को आयोजित होगी। भारतीय इतिहास, संस्कृति, गौरवशाली विरासत, राष्ट्रीय मूल्यों एवं देश की उपलब्धियों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस परीक्षा में रक्सौल शाखा के अंतर्गत 10 विद्यालयों के 400 से अधिक विद्यार्थी कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में भाग लेंगे। शाखा अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं संस्कार संयोजक नीतेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 'भारत को जानो' पुस्तक के हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण सभी विद्यालयों में निःशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। परीक्षा के पारदर्शी एवं व्यवस्थित संचालन के लिए प्रत्येक विद्यालय में परिषद का एक सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया जाएगा तथा सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। परीक्षा में कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल, संत माइकल इंग्लिश स्कूल, एसएवी स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, चंद्रशील इंग्लिश स्कूल, जयंत एकेडमी, एमजीएम इंटरनेशनल स्कूल, भारती पब्लिक स्कूल, डीपीएम स्कूल तथा एमके मिशन आवासीय विद्यालय (भलूवाहिया, रामगढ़वा) के विद्यार्थी शामिल होंगे। शाखा सचिव नरेश कुमार ने बताया कि कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8) एवं वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12) के सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय से दोनों वर्गों के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थी शाखा स्तरीय प्रश्न मंच (क्विज प्रतियोगिता) में भाग लेने के पात्र होंगे। शाखा स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को प्रांतीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा तथा उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। संपर्क संयोजक उमेश सिकारिया एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने बताया कि विद्यालयों के सहयोग से परीक्षा को लेकर उत्साहपूर्ण वातावरण है और निष्पक्ष संचालन के लिए प्रश्नपत्र, परीक्षा सामग्री तथा पर्यवेक्षकों की व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई, भारी मात्रा में नेपाली शराब बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मोतिहारी पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए तीन शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान भारी मात्रा में नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की गई। छौड़ादानो थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम कुड़करट में एक शराब कारोबारी के यहां छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 589 बोतल शराब, कुल करीब 177 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से मिंटू पासवान, पिता-राजदेव पासवान, निवासी-कुड़करट, थाना-छौड़ादानो, जिला-पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया। इधर झरौखर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनिया टोला स्थित बॉर्डर से एक शराब कारोबारी सुनील कुमार, पिता-सुरेंद्र सहनी, निवासी-मझौलिया, थाना-मझौलिया, जिला-पश्चिमी चंपारण, बेतिया को एसएसबी के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 290 बोतल शराब, कुल 87 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब एवं एक बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की गई। वहीं कोटवा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब कारोबार के मामले में जुलाई मांझी, पिता-मसूरी मांझी, निवासी-मछरगांवा, थाना-कोटवा तथा हिरालाल महतो, पिता-ललन महतो, निवासी-मधुबनी, थाना-संग्रामपुर, जिला-पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से कुल 70 लीटर देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने तीनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

तुलसीदास जयंती पर भेलानारी विद्यालय में कार्यक्रम, विद्यार्थियों को दिए जीवन-मूल्यों के संस्कार

बीएनएम@ अरेराज

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी में बुधवार को हिंदी साहित्य के महान संत एवं भक्ति काल के शिखर पुरुष गोस्वामी तुलसीदास की जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तुलसीदास के जीवन, साहित्यिक योगदान और उनके आदर्शों से परिचित कराया गया। प्रधानाचार्य मदन मोहन नाथ तिवारी ने कहा कि तुलसीदास भारतीय भक्ति परंपरा के युगपुरुष थे। उनकी अमर कृति श्रीरामचरितमानस ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाकर समाज को नैतिकता और लोकमंगल का संदेश दिया। उन्होंने तुलसीदास की प्रसिद्ध चौपाई "परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई" का भावार्थ समझाते हुए विद्यार्थियों को सेवा, करुणा और सदाचार अपनाने की प्रेरणा दी। वरीय शिक्षक जीवन ज्योति ने कहा कि आधुनिक डिजिटल युग में भी श्रीराम की मर्यादा, हनुमान की निस्वार्थ सेवा, भरत का त्याग और माता सीता का धैर्य जीवन के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने छात्रों को सत्य बोलने, कठोर परिश्रम करने, बड़ों का सम्मान करने, अच्छी संगति अपनाने और धैर्य बनाए रखने के पांच सूत्र बताए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को श्रीरामचरितमानस, विनय पत्रिका, कवितावली, गीतावली और दोहावली सहित तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं तथा रामचरितमानस के सातों कांडों की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यालय में संस्कार निर्माण और प्रकृति से जुड़ाव के उद्देश्य से विकसित की जा रही पोषण वाटिका की पहल पर भी प्रकाश डाला गया। अंत में सभी विद्यार्थियों ने सत्य, परिश्रम और सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में हितेश कुमार उपाध्याय, प्रदीप कुमार, रूपा मिश्रा, पवन कुमार मिश्रा सहित विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति टोलों में चलेगा समरसता संकल्प अभियान

गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती पर कलश यात्रा, विकास शिविर और जनजागरूकता कार्यक्रम होंगे आयोजित

बीएनएम@ रामगढ़वा

गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर पूर्वी चंपारण जिले के अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान चलाया जाएगा। जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार यह अभियान 18 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक विभिन्न चरणों में संचालित होगा। विकास मित्र समन्वयक नंदलाल मांझी ने बताया कि अभियान के तहत 19 एवं 20 अगस्त को गुरु संत रविदास कलश यात्रा निकाली जाएगी। पंचायत स्तर पर घर-घर कलश भ्रमण कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाएगा। इसके बाद 27 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक अनुसूचित जाति टोलों में गुरु संत रविदास विकास शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में पात्र लाभुकों को राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, आधार कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, बिजली कनेक्शन, जीविका समूह समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के दौरान शिक्षा, कौशल विकास, स्वच्छता, पेयजल, आवास तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। स्कूल से बाहर बच्चों का नामांकन और युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। मौके पर विकास मित्र नीपू कुमारी, अरविंद कुमार, विंदु कुमारी, बेबी कुमारी, संजू कुमारी, शंभू मांझी, सुनील कुमार, लखपति देवी, शोभा कुमारी, रीता कुमारी, नीलम कुमारी, सरिता कुमारी, चंदेश्वर कुमार एवं झुनी कुमारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बदहाल सड़ तो बढ़ेगी परेशानी

अंसारी व मुजाहिद टोला के ग्रामीणों ने उठाई आवाज

बीएनएम@ नवलपुर। नवलपुर थाना क्षेत्र के पिपरहिया पंचायत अंतर्गत अंसारी टोला सेमरी और मुजाहिद टोला सेमरी को जोड़ने वाली सड़क लंबे समय से बदहाल है। सड़क की हालत ऐसी हो गई है कि ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे उभर आए हैं और कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों को सड़क की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता। सबसे चिंताजनक स्थिति सड़क पर बनी पुलिया के आसपास है। पुलिया के दोनों किनारों से मिट्टी का कटाव होने के कारण सड़क का हिस्सा कमजोर हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से सड़क की स्थिति का स्थल निरीक्षण कराकर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों व गर्भवती महिलाओं को लगाया गया इंजेक्शन

बीएनएम@ योगापट्टीः योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर 7 के केंद्र संख्या 68 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को आवश्यक इंजेक्शन और टीके लगाए गए। स्वास्थ्य कर्मियों एएनएम सुजाता सिन्हा ने बताया कि टीकाकरण से बच्चों को कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षा मिलती है, वहीं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की भी निगरानी की जाती है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर सुबह से ही महिलाओं और बच्चों की भीड़ देखी गई। कार्यक्रम के दौरान मौजूद आसा रमिता देवी पति वाल्मीकि गिरी ने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे नियमित टीकाकरण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे और गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। मौके पर आंगनबाड़ी सेविका निशा देवी, सहायिका और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

एसपी ऑफिस में जनसुनवाई में छाए रहे भूमि विवाद के मामले

बीएनएम@ बगहाः पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला और पुरुष फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे।पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।

जनसुनवाई के दौरान सबसे अधिक शिकायतें भूमि विवाद से संबंधित सामने आईं।इसके अलावा मारपीट, आपसी विवाद, पुलिस कार्रवाई में देरी, लंबित मामलों के निष्पादन समेत अन्य शिकायतों को लेकर भी फरियादियों ने एसपी के समक्ष अपनी बात रखी।एसपी ने सभी मामलों की निष्पक्षता से जांच करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया।पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।वहीं एसपी के समक्ष सीधे अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलने पर फरियादियों ने संतोष व्यक्त किया।जनसुनवाई के दौरान पुलिस पदाधिकारी और संबंधित शाखाओं के अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर में चलती एक्सयूवी बनी आग का गोला

इंजन से धुआं निकलते ही कूदकर बचाई जान

बीएनएम@ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर-पूसा रोड पर नरौली चौक के पास बुधवार को चलती XUV कार में अचानक भीषण आग लग गई। इंजन से धुआं निकलते ही कार सवारों ने समय रहते वाहन को सड़क किनारे रोका और बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, XUV मुजफ्फरपुर से पूसा की ओर जा रही थी। मुसहरी थाना क्षेत्र के नरौली चौक के समीप अचानक उसके इंजन वाले हिस्से से धुआं निकलने लगा। सवारों ने खतरा भांपते हुए तत्काल वाहन रोक दिया और बाहर निकल गए। इसके कुछ ही क्षण बाद गाड़ी आग की लपटों से घिर गई। वाहन को धू-धू कर जलता देख मौके पर अफरातफरी मच गई। लोगों ने मुसहरी थाना पुलिस तथा अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि वाहन पर वीआईपी नंबर के साथ पुलिस और अधिवक्ता से जुड़े लोगो भी लगे थे। दस्तावेजों के अनुसार, XUV पटना के मलाही पकड़ी मोड़ स्थित मधुबन कॉम्प्लेक्स और लोहिया नगर निवासी राकेश कुमार के नाम से पंजीकृत है।

दो दुकानों में चोरी, नगदी समेत लाखों का सामान ले गए चोर

बीएनएम@ समस्तीपुर! जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के मुदुदाबाद स्थित मोहिउद्दीननगर रेलवे स्टेशन रोड में मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने दो किराना दुकानों को निशाना बनाया। चोर दुकानों से करीब 35 हजार रुपये नगद समेत हजारों रुपये मूल्य के सामान चोरी कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, मुदुदाबाद स्टेशन रोड स्थित दुकानदार रवि कुमार की किराना दुकान में चोर पड़ोसी दुकानदार बलविंदर कुमार की दुकान की ओर से घुसे। चोरों ने पहले बलविंदर कुमार की दुकान का एल्वेस्टर उखाड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां से गुटखा, रजनीगंधा, एनर्जी ड्रिंक समेत करीब 30 से 35 हजार रुपये मूल्य का सामान चोरी कर लिया। इसके बाद चोरों ने उसी रास्ते से रवि कुमार की दुकान तक पहुंचने के लिए फॉल्स सीलिंग में लगाए गए कूलर को उखाड़ दिया और दुकान में प्रवेश कर गए। वहां से करीब 35 हजार रुपये नगद के अलावा काजू, हॉर्लिक्स, कॉम्प्लान, सरसों तेल, रिफाइंड तेल समेत करीब 30 से 35 हजार रुपये मूल्य के महंगे सामान चोरी कर लिए। इस संबंध में थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बिहार को केंद्र सरकार का बड़ा तोहफा, कैबिनेट ने कुल पांच परियोजनाओं को दी मंजूरी

3,591 करोड़ से बनेगा मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी- सोनबरसा फोरलेन हाईवे

» **हावड़ा-चेन्नई रेल मार्ग का होगा चौहरीकरण**

मुजफ्फरपुर से नेपाल बॉर्डर तक बेहतर होगी कनेक्टिविटी

बीएनएम@ पटना/नई दिल्ली

बिहार के लिए केंद्र सरकार ने बुधवार को बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए नेपाल सीमा के सोनबरसा तक फोरलेन हाईवे बनाने की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस सड़क परियोजना पर करीब 3,591 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केंद्र सरकार की इस मंजूरी से उत्तर बिहार में सड़क कनेक्टिविटी को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और सोनबरसा के बीच आवागमन पहले के मुकाबले तेज और सुगम होगा। साथ ही नेपाल सीमा तक पहुंचने वाले इस मार्ग के मजबूत होने से क्षेत्र में व्यापार और माल ढुलाई को भी गति मिलने की संभावना है। प्रस्तावित फोरलेन हाईवे मुजफ्फरपुर से शुरू होकर सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा तक जाएगा। सोनबरसा नेपाल सीमा के नजदीक स्थित महत्वपूर्ण क्षेत्र है। नई सड़क बनने से मौजूदा मार्ग पर यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है। इस परियोजना से उत्तर बिहार के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी जैसे प्रमुख शहरों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ नेपाल सीमा तक सामान की आवाजाही भी आसान हो सकेगी। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल पांच बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 13,041 करोड़ रुपये है। इनमें चार परियोजनाएं रेलवे से जुड़ी हैं, जबकि एक परियोजना सड़क परिवहन से संबंधित है। कैबिनेट ने देश के महत्वपूर्ण हावड़ा-चेन्नई मुख्य रेल मार्ग के चौहरीकरण से जुड़ी परियोजना को भी मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर पर यातायात क्षमता बढ़ाना और ट्रेनों के संचालन को अधिक सुगम बनाना है। इसके अलावा कटक-पारादीप रेल लाइन पर तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दी गई है। इससे इस रूट की क्षमता बढ़ाने और माल एवं यात्री परिवहन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। कैबिनेट ने रेल नेटवर्क को मजबूत करने वाली दो अन्य महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

कुरसाहा-बल्ला से चकला जाने वाली सड़क पर ब्रेकर के लिए आवेदन

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीननगर प्रखंड क्षेत्र में कुरसाहा-बल्ला सड़क से महावीर स्थान होते हुए चकला तक जाने वाली आरडब्ल्यूडी सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण लगातार दुर्घटनाएं होने की शिकायत सामने आ रही है। सड़क पर आवश्यक स्थानों पर ब्रेकर नहीं होने से राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटनाओं पर रोक लगाने एवं लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी नन्द किशोर कापर ने अनुमंडल पदाधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) रोहित कुमार से मुलाकात की। इस दौरान सड़क के संवेदनशील एवं आबादी वाले स्थानों पर जगह-जगह ब्रेकर निर्माण कराने की मांग को लेकर उन्हें आवेदन सौंपा गया।

हरसिध्दि पकड़िया मेला से लोडेड पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

हरसिद्धि पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियार के स्रोत की जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम@ हरसिद्धि

पुलिस ने पकड़िया मेला में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान पकड़िया निवासी विजय प्रसाद केसरी के पुत्र रवि कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध हथियार लेकर मेला में घूम रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोडेड पिस्टल बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। हथियार कहां से आया, किस उद्देश्य से उसे मेला में लाया गया तथा इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। हरसिद्धि थाना में आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहाः "गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए युवक को लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है। हथियार के स्रोत और उसके उद्देश्य की गहन जांच की जा रही है।

सीएम ने बलुआ में स्व. डॉ. जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा का किया अनावरण

बलुआ को प्रखंड बनाने की उठी मांगः पूर्व सीएम के योगदान को किया गया याद

» **कोसी-मेची लिंक परियोजना की समीक्षा की**

बीएनएम@ सुपौल

पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय डॉ. जगन्नाथ मिश्र की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को सुपौल जिले के बलुआ बाजार पहुंचे। यहां उन्होंने राजकीयकृत ललित नारायण हाई स्कूल परिसर के समीप आयोजित समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय डॉ. जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर बलुआ बाजार में खासा उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना के कार्यस्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना की वर्तमान प्रगति और निर्माण कार्यों का ब्योरा अधिकारियों से लिया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर परियोजना के कार्य में तेजी लाने और समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर मंत्री नीतीश मिश्रा, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी समेत कई सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के समक्ष बलुआ को प्रखंड का दर्जा देने की पुरानी मांग रखी, जिस पर सरकार की ओर से सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि 24 जून 1937 को बलुआ बाजार में जन्मे डॉ. जगन्नाथ मिश्र बिहार के तीन बार (1975-77, 1980-83 और 1989-90) मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहे थे। 19 अगस्त 2019 को उनके निधन के बाद से हर साल उनकी पुण्यतिथि पर क्षेत्रवासी उनके योगदान को याद करते हैं।

पितृपक्ष मेला के सफल आयोजन को लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ बैठक

» **सेवा शिविरों की व्यवस्थाओं की हुई विस्तृत समीक्षा**

बीएनएम@ गयाजी

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2026 को व्यवस्थित, सुरक्षित, स्वच्छ एवं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां लगातार तेज की जा रही हैं। इसी क्रम में अपर समाहर्ता, राजस्व परितोष कुमार की अध्यक्षता में जिले में सक्रिय विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पितृपक्ष मेला के दौरान स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा लगाए जाने वाले निःशुल्क सेवा शिविरों, तीर्थयात्रियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं तथा शिविरों के संचालन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा एवं समीक्षा की गई। बैठक में अपर समाहर्ता, राजस्व ने कहा कि पितृपक्ष मेला गया जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं तीर्थयात्री गया पहुंचते हैं। ऐसे में जिला प्रशासन के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों एवं सेवा भाव से जुड़े लोगों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से कहा कि मेला अवधि में पूरी सेवा भावना, आत्मीयता एवं जिम्मेदारी के साथ गया आने वाले सभी तीर्थयात्रियों एवं अतिथियों का स्वागत करें। सेवा शिविरों में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण, आवश्यक सुविधाएं एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे गया से सुखद अनुभव लेकर वापस लौटें।अपर समाहर्ता ने कहा कि पितृपक्ष मेला को आकर्षक, व्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। मेला क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर करने, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात, सुरक्षा, घाटों एवं वेदी स्थलों की व्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने सभी स्वयंसेवी संस्थाओं से कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान सेवा कार्य को केवल एक आयोजन के रूप में न देखते हुए इसे सेवा, समर्पण एवं अतिथि सत्कार का अवसर मानकर कार्य करें।

संत रविदास जयंती पर निकली कलश यात्रा

सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

बीएनएम@ समस्तीपुर

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को समस्तीपुर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। समाहरणालय परिसर से आयोजित कलश यात्रा को माननीय सांसद श्रीमती शांभवी चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर दो वाहनों को रवाना किया। कलश यात्रा समाहरणालय परिसर से शुरू होकर मोहनपुर रोड स्थित नक्कू स्थान पहुंची। यहां मोहनपुर चौक स्थित महादेव मंदिर में कलश की स्थापना की गई। इस दौरान संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में अश्वमेघ देवी, विधायक तरुण कुमार, विधान परिषद सदस्य सहित जिला प्रशासन की ओर से अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी मणिभूषण ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कलश यात्रा में जिले के सभी प्रखंडों के कल्याण पदाधिकारी, विकास मित्र, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका सहित बड़ी संख्या में कर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की।प्रशासन की ओर से बताया गया कि कलश यात्रा के माध्यम से संत रविदास जी महाराज के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह यात्रा 19 और 20 अगस्त 2026 को जिले के सभी प्रखंडों के अनुसूचित जाति टोलों में भ्रमण करेगी।

श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में ग्रीन डे का हुआ आयोजन

बीएनएम@ गयाजी

नैली रोड, खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में बुधवार को ग्रीन डे समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को हरे रंग के गुब्बारों, पत्तियों एवं आकर्षक सजावटी सामग्रियों से खूबसूरती से सजाया गया। पूरे परिसर में हरियाली और प्रकृति से जुड़ा मनमोहक वातावरण देखने को मिला। विद्यालय की सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं भी हरे रंग के परिधान में विद्यालय आए पहुँचे। ग्रीन डे के माध्यम से बच्चों को हरे रंग के महत्व तथा प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि हरा रंग प्रकृति, हरियाली, शांति और जीवन का प्रतीक है। हरे-भरे पेड़-पौधे न केवल हमारे पर्यावरण को सुंदर बनाते हैं, बल्कि हमें स्वच्छ वायु भी प्रदान करते हैं। हरे रंग को देखने से मन को शांति और आँखों को सुकून का अनुभव होता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम सिन्हा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रकृति, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूरा आयोजन प्रधानाचार्या के दिशा-निर्देश एवं उप-प्राचार्या राखी कुमारी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी, खतरे के निशान से 10 मीटर ऊपर

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीननगर विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाली गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि जारी है। बुधवार को गंगा का जलस्तर बढ़कर 45.60 मीटर पर पहुंच गया, जो निर्धारित खतरे के निशान 45.50 मीटर से 10 सेंमीटर पर है। जलस्तर की प्रवृत्ति लगातार बढ़ने की बताई गई है। लगातार बढ़ रहे जलस्तर से गंगा किनारे बसे गांवों के लोगों के साथ-साथ किसान और पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। जल संसाधन विभाग के मोहनपुर प्रखंड स्थित सरारी कैंप पर तैनात सहायक अभियंता मनीष गुप्ता ने बताया कि पिछले तीन दिनों में गंगा के जलस्तर में करीब 1.05 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रतिदिन करीब 30 से 35 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हो रही है। जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने गंगा के तटबंधों और बंडालों की निगरानी बढ़ा दी है। रात्रि में भी बिजली की रोशनी की व्यवस्था के बीच तटबंधों की निगरानी की जा रही है। गंगा के संवेदनशील तटबंध वाले क्षेत्रों में जल संसाधन विभाग के वॉलिंटियर्स की प्रतिनियुक्ति की गई है। वॉलिंटियर्स तटबंधों की स्थिति और जलस्तर में होने वाले बदलाव पर लगातार नजर रख रहे हैं। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति सामने आने पर तत्काल विभागीय अधिकारियों को सूचना देने के लिए उन्हें मुस्तैद रखा गया है। इधर, गंगा की सहायक वाया नदी के जलस्तर में भी लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि वाया नदी अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही है।

भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं भगवान श्रीनाथजी

नाथद्वार में स्थित भगवान श्रीनाथजी का चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर कई चमत्कारी कहानियों के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि श्रीनाथजी खुद भगवान विष्णु के अवतार हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण सात साल के थे, तब वह यहां पर विराजमान हो गए थे। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रीकृष्ण की काले रंग की मूर्ति को एक पत्थर से तराशा गया है। वहीं यह अपने आप में हैरान कर देने वाली चीज है। यहां भगवान भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने साथ चावल लेकर जाते हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु इन चावलों को अपनी तिजोरी में रखते हैं, जिससे कि घर में धन कमी न हो।

उस समय श्रीनाथजी की मूर्ति जोधपुर के पास चौपासनी गांव में थी। चौपासनी गांव में कई समय तक बैलगाड़ी में श्रीनाथजी की मूर्ति की पूजा होती रही। हालांकि अब यह गांव जोधपुर का हिस्सा बन गया है। वहीं जिस जगह ये बैलगाड़ी खड़ी थी, वहां पर श्रीनाथजी का मंदिर बना है। कोटा से करीब 10 किमी दूर श्रीनाथजी की चरण पादुकाएं उसी दौरान आज तक वहीं रखी हुई है। इस स्थान को चरण चौकी के नाम से जानते हैं।

मंदिर से जुड़े नियमों के मुताबिक सर्दियों में प्रभु श्रीनाथजी को उठाकर भोग लगाया जाता है। वहीं रात में प्रभु को सुलाने के लिए कवियों के पदों का गान किया जाता है। श्रीनाथजी के शयनानन्तर तक बीन भी बजाई जाती है। वहीं गर्मी में उनके लिए पंखे की सेवा की जाती है। वहीं सर्दियों में उनको ठंड से बचाने के लिए श्रीनाथजी की मूर्ति के पास अंगीठी रखी जाती है।

प्राकृतिक खेती- सतत कृषि और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

रायपुर 19 अगस्त (आरएनएस) भारत ने पिछले दशक में कृषि क्षेत्र में तेज प्रगति की है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, पिछले 5 सालों में विकास दर 4% से अधिक रही है। खाद्यान्न, बागवानी और तेलहन फसलों का बंपर उत्पादन हुआ है। यह किसानों द्वारा नई तकनीकों को अपनाने और सिंचाई वाले क्षेत्र का विस्तार, बेहतर जल उपयोग दक्षता और समय पर व पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्धता जैसी सरकार की ठोस नीतियों के समर्थन का परिणाम है। बागवानी फसलों की हिस्सेदारी भी काफ़ी बढ़ रही है और इसकी विकास दर अपेक्षाकृत अधिक है। हालांकि, रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं, जिसके कारण मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और प्रमुख फसलों की उत्पादकता में स्थिरता आ रहीहै। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, नाइट्रोजन उपयोग दक्षता (एनयूई) में धीरे-धीरे आई कमी के कारण एक ऐसा दुष्चक्र बन गया है, जिसमें किसान रासायनिक खादों की मात्रा तो लगातार बढ़ा रहे हैं, लेकिन उत्पादकता में बहुत मामूली बढ़ोतरी ही हो रही है।

सरकार की मृदा स्वाथ्य और उर्वरक योजना के तहत 26 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण किया गया है। इससे प्राप्त डेटा के अखिल-इंडिया विश्लेषण से चिंताजनक बात सामने आई है कि मिट्टी में जैविक कार्बन (एसओसी) और अन्य जरूरी सूक्ष्म-पोषक तत्वों की भारी कमी है। स्वस्थ मिट्टी में एसओसी 1% से अधिक होना चाहिए, लेकिन यह औसतन 0.5% के आसपास है और कुछ क्षेत्रों में यह 0.3% तक के यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। कम मात्रा में एसओसी से मिट्टी की सरंध्रता कम हो जाती है, जिसका दोहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है: पानी का जमीन में रिसाव और जल धारण क्षमता, दोनों में कमी आती है। परिणामस्वरूप, वर्षा और सिंचाई का पानी बह जाता है, जो ऊपरी मिट्टी को बहा ले जाता है और न तो यह जमीन के नीचे जाकर भूजल स्तर बढ़ा पाता है और न ही पौधों की वृद्धि के लिए आसानी से उपलब्ध रहता है। कम एसओसी का एक और नकारात्मक प्रभाव यह है कि ऐसे मिट्टी पर उगाए जाने वाले पौधों की पोषक तत्व अवशोषण क्षमता कम हो जाती है। समान उत्पादकता स्तर तक पहुँचने के लिए अधिक से अधिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ी हुई खुराक उर्वरक उपयोग दक्षता को और कम कर देती है, जिससे मृदा-स्वास्थ्य का नुकसान होता है और देश रासायनिक उर्वरकों या उनके घरेलू उत्पादन के कच्चे माल को आयात करने में अपनी कीमती विदेशी मुद्रा खर्च करता है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के असंतुलित उपयोग ने उन लाभकारी सूक्ष्मजीवों और कीड़ों को भी कम कर दिया है, जो मिट्टी की सरंध्रता को बेहतर बनाने और गहरी मिट्टी से पोषक तत्वों को ऊपरी मिट्टी तक स्थानांतरित करने में मदद करते हैं, ताकि पौधे उन्हें अवशोषित कर सकें। एक अन्य चिंताजनक प्रभाव उपज की गुणवत्ता और सुरक्षा पर पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि रसायन खाने-पीने और पशु चारे की श्रृंखला में पहुँच जायेंगे और आखिरकार मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करेंगे। ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें फलों, सब्जियों, अनाज और अन्य वाणिज्यिक फसलों में कीटनाशकों का न्यूनतम अवशेष स्तर तय सीमा को पार कर गया है, जिसके चलते निर्यात की खेपें रद्द होती हैं और वैश्विक बाजार में ब्रांड इंडिया की छवि पर बुरा पड़ता है। हालांकि ये चिंताएँ कुछ समय से व्यक्त की जा रही हैं, लेकिन सरकार ने वर्ष 2024 में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की, जिसका मुख्य उद्देश्य सतत कृषि के लिए पशुधन या गाय आधारित रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देना है, ताकि मिट्टी की सेहत खासकर एसओसी में सुधार हो सके, पौष्टिक तत्वों के अवशोषण की क्षमता बढ़ सके और रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर देश की निर्भरता कम हो सके। प्राकृतिक खेती, जिसे इसके समर्थकों द्वारा आमतौर पर 'जीरो बजट खेती' कहा जाता है, एक ऐसी तकनीक पर आधारित है, जिसे किसानों ने कई सालों तक आज़माया और परखा है तथा इसे मान्यता दी है। इसके परिणाम भी बहुत उत्साहजनक रहे हैं। यह एक समग्र तकनीकी समाधान पर आधारित है, जिसमें स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया जाता है, जैसे स्थानीय नस्ल की गाय का गोबर और गोमूत्र, जिनकी लागत किसान के लिए लगभग शून्य होती है। बीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाला बीजामृत सूत्र बेहतर अंकुरण और मजबूत पौधों में मदद करता है, जबकि जीवामृत, घन-जीवामृत और सप्तयांकुर का उपचार मित्र सूक्ष्मजीवों की मौजूदगी और मृदा-उत्पादकता को काफी बढ़ा देता है। पौधों के स्वास्थ्य की रक्षा सौंठास्त्र और खट्टी लस्सी के इस्तेमाल से की जाती है, जो बैक्टीरिया और फफूंद संक्रमण को रोकते हैं, जबकि विभिन्न प्रकार के कीड़ों और कीट को नियंत्रित करने के लिए 'नीमास्त्र', 'ब्रह्मास्त्र', 'अग्निअस्त्र' और 'दशपर्णी अर्क' का प्रयोग किया जाता है। उपरोक्त सभी उपचारों की सावधानीपूर्वक तैयारी और उचित मात्रा में उपयोग से मिट्टी की सेहत के बेहतर परिणाम मिले हैं और उत्पादकता पर भी कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है, जबकि उपज की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। मिशन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से प्रगति कर रहा है, जिसका लक्षित क्षेत्र 7.5 लाख हेक्टेयर से अधिक है और यह 18 लाख से अधिक किसानों को कम से कम 50 हेक्टेयर के क्लस्टर में कवर करता है। कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की टीम, जिसे किसान प्रशिक्षक और कृषि सखी संसाधन व्यक्ति के रूप में सहायता प्रदान कर रहे हैं, किसानो को जागरूक कर रही है, प्रशिक्षण दे रही है और इस खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। जिन किसानों के पास स्थानीय नस्ल की गायें हैं, उन्हें खेत पर ही इन उपचारों को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही, बड़ी संख्या में जैव-इनपुट संसाधन केंद्र भी मुख्य रूप से स्थानीय डेयरियों या पशु आश्रय गृहों के निकट स्थापित किए गए हैं, ताकि ये उपचार किसानों को मामूली कीमत पर उपलब्ध कराए जा सकें। यह मिशन विज्ञान-आधारित रणनीति के माध्यम से लागू किया जा रहा है, ताकि किसान इन प्रथाओं को बिना किसी संदेह या हिचकिचाहट के अपना सकें। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने क्षेत्र और फ़सल-विशिष्ट क्षमता मानचित्र विकसित किए हैं, जो यह दर्शाते हैं कि प्राकृतिक खेती कहाँ प्रभावी होगी। आईसीएआर के संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों में इस देसी तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए इसकी प्रभावशीलता को वैज्ञानिक रूप से मान्यता देने के लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। आईसीएआर संस्थानों की निगरानी में किए गए कई प्रयोगों ने कई फसलों के लिए बहुत सकारात्मक परिणाम दिए हैं और अब मिशन के ज़रिए इनका प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। प्राकृतिक उत्पादों का विपणन एक और महत्वपूर्ण रणनीति है, जो किसानों की आय में वृद्धि करेगी और उन्हें इन प्रथाओं को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक कृषि केंद्र (एनसीओएनएफ) ने प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाणीकरण नियम बनाये हैं। बड़ी संख्या में किसानों ने पहले ही सहभागी गारंटी प्रणाली (पीजीएस) प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए हैं, जिससे वे अपने प्रमाणित विशिष्ट उत्पाद को ऊंची कीमतों पर बेच सकते हैं। एक तरफ जहां इस मिशन के तहत प्रमाणन, विपणन और ब्रांडिंग के साथ शुद्ध प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ एक हाइब्रिड मॉडल को प्रोत्साहन देने की रणनीति में यह दिखाया गया है कि प्राकृतिक खेती की प्रथाओं को अपनाने और रासायनिक उर्वरकों की खुराक को कम करने से भी लंबे समय तक उत्पादकता बनी रह सकती है और मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। इस मॉडल को व्यापक स्वीकार्यता मिल सकती है। इसे अपनाने वाले किसानों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हाइब्रिड मॉडल में प्राकृतिक खेती की प्रथाओं को अपनाने से रासायनिक उर्वरकों पर धीरे-धीरे निर्भरता कम होती है। यहाँ तक कि कुछ समय बाद, किसान कई फसलों में रासायनिक खाद का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर सकते हैं और फिर भी उतनी ही पैदावार और आमदनी बनाए रख सकते हैं।

मध्य पूर्व में चल रहे मौजूदा संकट से पैदा हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों से सात सूत्रीय अपील की है, जिनमें रासायनिक खाद का समझदारी से इस्तेमाल और प्राकृतिक खेती को अपनाना शामिल हैं। एक ओर जहाँ प्राकृतिक खेती को अपनाने से खेती में स्थायित्व आ रहा है, वहीं दूसरी ओर इससे पशुधन के आर्थिक मूल्य को बढ़ाने में भी मदद मिल रही है, जिनका आम तौर पर दूध देने की उम्र खत्म होने के बाद परित्याग कर दिया जाता है। इसका एक और फ़ायदा यह है कि घरेलु उपभोग और निर्यात के लिए सुरक्षित भोजन मिलता है, साथ ही देश की कीमती विदेशी मुद्रा की भी बचत होती है।

धर्मस्थलों पर अव्यवस्था : संकट में श्रद्धालुओं की जान

मनोज कुमार अग्रवाल

सावन का तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हताहतों की तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी संकीर्ण गलियारे और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद असंयमित व्यवहार के साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं।

आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया । मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी।

आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई।

पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कूलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतारें न होने के कारण अक्सर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती है। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक गली में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए थे।

भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़, दीवार गिरने, छत ढहने करेंट उतरने और अन्य दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान जा चुकी है। हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली जिले में भी मंदिर परिसर से जुड़ी एक दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि समस्या किसी एक स्थान या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती है।

वास्तविकता यह है कि अनेक धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आधारभूत ढांचे का विस्तार और रखरखाव उसी गति से नहीं हो पा रहा। कई स्थानों पर अस्थायी शेड, मंडप और अन्य संरचनाएं बिना पर्याप्त तकनीकी परीक्षण के उपयोग में लाई जाती हैं। कई बार निर्माण कार्य स्थानीय स्तर पर करवा लिया जाता है, लेकिन इंजीनियरिंग मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी हो जाती है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक इन कमियों पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रत्येक घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन इन हादसों की निष्पक्ष जांच कराएं और इन तमाम हादसों के पीछे के तमाम कारणों का विश्लेषण कर जिम्मेदार दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। इस राशि की जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करती हैं, उनके लिए दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय आपको सुकून देगा, आप अपनी फैमिली के साथ अच्छा समय बिताएंगी। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

वृषभ राशिः आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों को सराहा जाएगा और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में लंबे समय से अटका हुआ कोई सौदा आज फाइनल हो सकता है। शाम को परिवार के साथ किसी मनोरंजक गतिविधि का आनंद लेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं दूरगामी लाभ देंगी और आय के नए स्रोत बनेंगे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम मिलेंगे। शुभ अंकः 3

कर्क राशिः आज आप खुद को मानसिक रूप से मजबूत और ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपकी रचनात्मक और बौद्धिक क्षमताओं में वृद्धि होगी, जिससे समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से किसी नए काम की शुरुआत करना शुभ रहेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खोलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों की ओर से कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे पदोन्नति के योग बनेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी और शाम को कहीं घूमने की योजना बन सकती है।

कन्या राशिः आज आप अपने तय समय सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में नए पार्टनर जुड़ने से भविष्य में बड़ा लाभ होगा। खान-पान पर थोड़ा ध्यान दें और अत्यधिक बाहर के खाने से बचें। शाम के समय परिवार के साथ किसी सामाजिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

तुला राशिः आज आपके पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का माहौल रहेगा। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की कमान आपको सौंपी जा सकती है, जिसे आप अपनी सूझबूझ से शानदार तरीके से पूरा करेंगे। वित्तीय लेन-देन में थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है। जीवनसाथी का हर मोड़ पर सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके करियर और कारोबार के लिए प्रगतिशील रहेगा। अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनी सोच को सकारात्मक रखें और फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य में पहले से सुधार देखने को मिलेगा और पुराने रोगों से राहत मिलेगी।

धनु राशिः आज आपका झुकाव अध्यात्म और धार्मिक कार्यों की तरफ अधिक रहेगा, जिससे मन को शांति मिलेगी। दूर रहने वाले किसी प्रियजन से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। नौकरी में आपकी कार्यशैली से अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा।

मकर राशिः आज आपको अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। व्यवसाय विस्तार के लिए बनाई गई योजनाएं सफल होंगी। जीवनसाथी का सहयोग आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। वाहन चलाते समय थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कुंभ राशिः आज आपको अपने दैनिक कार्यों में काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आपके निर्णय लेने की क्षमता में सुधार आएगा। मित्रों के साथ मिलकर बनाई गई योजनाएं क्रियान्वित होंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और दिनभर ताजगी महसूस होगी। नया काम शुरू करने के लिए आज का दिन बहुत अनुकूल है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए प्रेम और सौहार्द से भरा रहेगा। कला, साहित्य और मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच या विशेष पहचान मिल सकती है। आर्थिक योजनाओं में निवेश के लिए समय शुभ है। कानूनी मामलों में स्थिति आपके पक्ष में बनी रहेगी और परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा।

राष्ट्र-प्रगति के लिए जागे युवा, भविष्य की पीढ़ियों का भी रखें ध्यान

कांतिलाल मांडोत

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। जिस देश में युवाओं की संख्या अधिक हो, वहां विकास की संभावनाएं भी व्यापक होती हैं। लेकिन युवा शक्ति तभी राष्ट्र की ताकत बनती है, जब उसमें विवेक, संस्कार, पुरुषार्थ, कर्तव्यबोध और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में 'हमारा तिरंगा हमारी शान' कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए इसी जिम्मेदारी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि आज के युवा तीस साल बाद बुजुर्ग होंगे, इसलिए उन्हें केवल अपने वर्तमान के बारे में नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं के बारे में भी सोचना चाहिए। उनका यह विचार युवाओं को तत्काल लाभ से आगे बढ़कर दूरगामी दृष्टि अपनाने का संदेश देता है। भागवत ने युवाओं को देश का 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' बताते हुए कहा कि यदि युवा शक्ति को सही दिशा मिले तो देश को बहुत बड़ा लाभ हो सकता है, लेकिन यदि यह शक्ति दिशाहीन हो गई तो भविष्य में यही समाज के लिए बोझ बन सकती है। रोजगार का अर्थ केवल दफ्तर की नौकरी नहीं है। मेहनत और श्रम करने वाला प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में योगदान देता है और उसके श्रम का सम्मान होना चाहिए। युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार तलाशने के साथ-साथ नए अवसर पैदा करने और कारोबार तथा उद्यमिता की ओर भी बढ़ना चाहिए। भारत की परिस्थितियां दुनिया के दूसरे देशों से अलग हैं। भागवत ने इसी बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत को अमेरिका, चीन, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया की नकल करके अपनी विकास नीति तय नहीं करनी चाहिए। भारत की अपनी जनसंख्या, भौगोलिक परिस्थितियां, सामाजिक संरचना, संस्कृति और आवश्यकताएं हैं। इसलिए विकास का भारतीय मॉडल भी हमारी परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए। भारत के लिए केवल अधिक उत्पादन और अधिक उपभोग ही प्रगति का अंतिम मानक नहीं हो सकता। हमारी सोच में मनुष्य, समाज, प्रकृति, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों का हित भी शामिल होना चाहिए। युवा अवस्था जीवन का वह काल है जिसमें मनुष्य केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करता, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य को भी प्रभावित करता है। बचपन सीखने का समय है, वृद्धावस्था अनुभव बांटने का समय है, लेकिन युवावस्था सर्जन की अवस्था है। इसी अवस्था में व्यक्ति अपने सपनों को कर्म में बदल सकता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि गौतम बुद्ध, भगवान महावीर, भगवान कृष्ण, स्वामी विवेकानन्द, महर्षि दयानन्द सरस्वती और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जैसे महान व्यक्तित्वों ने अपनी युवा ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देकर समाज को नई राह दिखाई। गौतम बुद्ध के जीवन का एक प्रसंग युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरक है। बुद्ध ने अपने शिष्य आनन्द से अशोक वृक्ष का एक पत्ता तोड़कर लाने को कहा। आनन्द ने पत्ता तोड़कर उन्हें दे दिया। इसके बाद बुद्ध ने कहा कि अब इस पत्ते को उसी डाल पर फिर से लगा दो। आनन्द ने कहा कि यह संभव नहीं है। तब बुद्ध ने समझाया कि तोड़ना आसान है, लेकिन जोड़ना कठिन है। यही शिक्षा आज राष्ट्र और समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है। किसी परिवार को तोड़ना आसान है, समाज में विभाजन पैदा करना आसान है और अविश्वास की दीवार खड़ी करना भी आसान है, लेकिन टूटे संबंधों को जोड़ना अत्यंत कठिन होता है। आज आवश्यकता इसी जोड़ने वाली शक्ति को मजबूत करने की है। जाति, भाषा, क्षेत्र, संप्रदाय और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद राष्ट्र की एकता सर्वोपरि रहनी चाहिए। भारत ने विभाजन का दर्द देखा है। इसलिए युवाओं को इतिहास से सीख लेकर ऐसी हर प्रवृत्ति से सावधान रहना चाहिए जो समाज में दूरी और अविश्वास बढ़ाती है। राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी सीमाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों के आपसी विश्वास और सहयोग से बनती है। युवक शब्द को यदि भावार्थ की दृष्टि से देखें तो इसमें युग निर्माण, वचन और कर्तव्य का संदेश दिखाई देता है। युवक का पहला दायित्व है कि वह अपने समय को समझे और युग निर्माण में योगदान दे। उसकी वाणी में सत्य, संयम और सकारात्मकता होनी चाहिए। शब्दों में समाज को जोड़ने की क्षमता होनी चाहिए, तोड़ने की नहीं। महात्मा गांधी का जीवन भी यही सिखाता है कि केवल बोलने से परिवर्तन नहीं आता, उसके लिए कर्म आवश्यक है। युवा जितना अधिक बोलने के बजाय अपने कार्य से उदाहरण प्रस्तुत करेगा, उतना ही उसका प्रभाव समाज पर पड़ेगा। युवाओं का तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण गुण है कर्तव्यबोध। अधिकारों की चर्चा सहज होती है, लेकिन कर्तव्यों का पालन कठिन होता है। राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता। राष्ट्र उसके करोड़ों नागरिकों के छोटे-छोटे कर्तव्यों से बनता है। विद्यार्थी ईमानदारी से अध्ययन करे, श्रमिक निष्ठा से श्रम करे, व्यापारी अपने व्यवहार में विश्वास बनाए रखे, कर्मचारी अपने दायित्व का निर्वहन करे और युवा समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील बने, तो यही राष्ट्र निर्माण की वास्तविक प्रक्रिया है। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं। तकनीक, सोशल मीडिया, त्वरित सफलता और उपभोग की संस्कृति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ एकाग्रता, धैर्य और आत्मसंयम की परीक्षा भी बढ़ी है। युवाओं को यह समझना होगा कि जीवन का उद्देश्य केवल अधिक धन कमाना या अधिक सुविधाएं प्राप्त करना नहीं है। सफलता का वास्तविक अर्थ यह भी है कि व्यक्ति अपने ज्ञान, समय और क्षमता का उपयोग समाज के हित में करे।

मोहन भागवत ने युवाओं को भविष्य की पीढ़ियों के बारे में सोचने की बात कहकर इसी व्यापक दृष्टि की ओर संकेत किया है। यदि आज का युवा केवल अपने सुख-सुविधाओं के बारे में सोचेगा तो आने वाली पीढ़ियों के सामने अनेक समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। पर्यावरण संरक्षण, जल बचाना, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, शिक्षा की गुणवत्ता, रोजगार के अवसर और सामाजिक सद्भाव ऐसे विषय हैं जिन पर आज के युवाओं को गंभीरता से विचार करना होगा। आज लिए गए निर्णयों का प्रभाव आने वाले दशकों तक रहेगा।

युवाओं को दिग्भ्रमित होने से भी बचना होगा। विरोध और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन हिंसा, अराजकता और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। युवा ऊर्जा को रचनात्मक आंदोलन, नवाचार, शिक्षा, विज्ञान, कृषि, उद्यमिता, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाना अधिक उपयोगी है। समाज और सरकार की भी जिम्मेदारी है कि युवाओं की प्रतिभा को अवसर मिले, उनकी बात सुनी जाए और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सकारात्मक भागीदारी का स्थान दिया जाए। विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग भी युवाओं के लिए महत्वपूर्ण संदेश देता है। कागज के टुकड़ों से भारत का मानचित्र जोड़ने का प्रयास कई युवक कर रहे थे, लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। एक युवक ने कागज के पीछे बने मानव के चित्र को देखा और पहले मनुष्य के अंगों को जोड़ दिया। उसके साथ ही भारत का मानचित्र भी सही बन गया। संदेश स्पष्ट था कि राष्ट्र को जोड़ना है तो पहले मनुष्य को जोड़ना होगा। समाज में प्रेम, सम्मान और सद्भाव बढ़ेगा तो राष्ट्र स्वतः मजबूत होगा।

आज के युवा को अपने भीतर पुरुषार्थ और स्वाभिमान जगाना होगा। धन कमाना बुरा नहीं है, सफलता प्राप्त करना भी गलत नहीं है, लेकिन सफलता का उपयोग केवल निजी सुख के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के हित के लिए भी होना चाहिए। युवा उद्यमी बने, वैज्ञानिक बने, शिक्षक बने, सैनिक बने, किसान बने, कलाकार बने या किसी भी क्षेत्र में जाए, लेकिन अपने कार्य में ईमानदारी और उत्कृष्टता को स्थान दे।

राष्ट्र निर्माण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवा इस जिम्मेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गाले टेस्ट में भारत ने श्रीलंका को 165 रनों से हराया, सुथार के 10 विकेट और पडिक्कल के 211 रन

एजेंसी, गाले (श्रीलंका)

भारतीय टीम ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने मेजबान टीम के सामने 372 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी बुधवार को 206 रनों पर सिमट गई। भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 211 रन बनाकर प्लेअर ऑफ दी मैच बने।

भारतीय टीम की इस जीत में स्पिन ऑलराउंडर मानव सुथार और बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का अहम योगदान रहा। सुथार ने जहां पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल करते हुए 10 श्रीलंकाई बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, वहीं पडिक्कल ने अपने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 रन और दूसरी पारी में 44 रनों की पारी खेली। मुकाबले में भारत ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त मिली। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह श्रीलंका को 372 रनों का लक्ष्य मिला था। जवाब में मेजबान टीम 206 रन ही बना पाई। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। मैच के पांचवें और आखिरी दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 84/4 के स्कोर से आगे शुरू की। कप्तान धनंजय डी सिल्वा और सोनल दिनुषा ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। दोनों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए और टीम का स्कोर 140 रन के पार पहुंचाया। इस साझेदारी को रवींद्र जडेजा ने तोड़ा। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा को मानव सुथार के हाथों कैच कराया। धनंजय ने 151 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 59 रन बनाए। श्रीलंका का छठा विकेट 156 रन के स्कोर पर गिरा। निरोशन डिकवेला 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने कुछ और रन जोड़े, लेकिन 199 के स्कोर पर एक के बाद एक तीन विकेट गंवा दिए। सोनल दिनुषा 128 गेंदों पर 84 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद प्रभाथ जयसूर्या और लाहिरू कुमारा खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। श्रीलंका का आखिरी विकेट केशरा नुवंता के रूप में गिरा, जिन्होंने 20 रन बनाए।

गाले टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे पडिक्कल बोले, इससे बेहतर की उम्मीद नहीं कर सकता था

एजेंसी, गाले (श्रीलंका)

श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले गए पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि यह मुकाबला उनके लिए शानदार रहा और वह इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते थे। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय टीम ने मेजबान श्रीलंका के सामने 372 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी बुधवार को मैच के पांचवें दिन 206 रन पर सिमट गई। भारत ने मुकाबला 165 रन से अपने नाम कर दो मैचों की

टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पडिक्कल ने भारत की पहली पारी में शानदार 167 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 44 रन का योगदान दिया। मैच के बाद पडिक्कल ने कहा, "मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छी क्रिकेट खेली और जीत से बहुत खुश हूं। मैंने धर्मशाला से टेस्ट में शुरुआत की, फिर पर्थ में टेस्ट खेला और अब गाले में। इससे बेहतर की मैं उम्मीद नहीं कर सकता था। मैच शानदार था।" उन्होंने गाले की पिच की भी तारीफ करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि यह टेस्ट मैच के लिए बेहतरीन पिच थी। पांचों दिन पिच ने अच्छा व्यवहार किया। तीसरे दिन से निश्चित रूप से इसमें ज्यादा टर्न मिलने लगी थी लेकिन आखिर में बात यह थी कि कौन बेहतर प्रदर्शन करता है और हमने यह बखूबी किया।" गाले टेस्ट में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 462 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 284 रनों पर सिमट गई थी, जिससे भारत को 178 रन की बढ़त मिली। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका के सामने 372 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 206 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत ने 165 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

हरभजन से प्रेरित होकर ऑफ स्पिनर बना : अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन का कहना है कि वह शुरुआत में बल्लेबाजी करते थे पर दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह से प्रेरित होकर स्पिन गेंदबाजी करने लगे। अश्विन के अनुसार वह हरभजन के इतने बड़े प्रशंसक थे कि उनके एक्शन की भी नकल करते थे। अश्विन ने कहा कि वह जूनियर क्रिकेट में खेलते समय पारी की शुरुआत करते थे पर जब साल 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने हरभजन सिंह की गेंदबाजी देखी तो

वह इतने प्रभावित हुए कि स्पिनर बन गये। हरभजन ने उस सीरीज में अविश्वसनीय गेंदबाजी करते हुए टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, और यहीं से अश्विन के मन में ऑफ-स्पिनर बनने का जुनून पैदा हुआ। उस समय हरभजन की फिरकी से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों सहम गये थे। अश्विन ने कहा हक वह शुरुआती दिनों में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में अंडर-19 क्रिकेट में खेलते थे। उस समय वह बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देते थे और कम गेंदबाजी करते थे पर जब भी मैं गेंदबाजी करते तो हरभजन की तरह ही करने का प्रयास करते। इसका कारण उनका प्रशंसक होना था। उन्होंने यह भी कहा कि वे हरभजन की स्टंप्स के ऊपर से गेंदबाजी करते हुए रिकी पोंटिंग और मैथ्यू हेडन को आउट करने की रणनीति से बेहद प्रभावित थे। हालांकि, ऑफ स्पिनर बनने की उनकी कोई पूर्व योजना नहीं थी।

जिला क्रिकेट संघ ने अंडर-14 और 19 ट्रायल का कार्यक्रम जारी किया

एजेंसी, रायगढ़ । बीसीसीआई के निर्देश एवं छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की अनुमति के बाद जिला क्रिकेट संघ रायगढ़ ने नए क्रिकेट सत्र के लिए अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग के ट्रायल का कार्यक्रम जारी कर दिया है। दोनों वर्गों के ट्रायल आईटीआई कॉलेज ग्राउंड, बोईरदादर रोड में आयोजित होंगे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचंद्र शर्मा ने बुधवार को बताया कि ट्रायल के लिए पंकज बोहिदार, अभिषेक गुप्ता और जफर उल्लाह सिद्धीकी को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयनकर्ता खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतरिम टीम का चयन करेंगे। ट्रायल से पहले प्रतिदिन शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक जिला क्रिकेट संघ कार्यालय में खिलाड़ियों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए रोहित नामदेव के मोबाइल नंबर 9302982991 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को पंजीयन के लिए दो नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो, पिछले छह वर्षों की मूल शैक्षणिक अंकसूची, डिजिटल एवं मैनुअल जन्म प्रमाणपत्र, नवीनतम फोटोयुक्त आधार कार्ड, मूल पैन कार्ड तथा बैंक पासबुक अथवा कैंसिल चेक प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। ट्रायल के दिन पंजीयन नहीं किया जाएगा। संघ के अनुसार अंडर-19 वर्ग में एक सितंबर 2008 अथवा उसके बाद जन्मे खिलाड़ी ट्रायल में भाग ले सकेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने चयनकर्ताओं पर उठाये सवाल

एजेंसी, मेलबर्न

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चैपल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में टीम को मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि अगर ये सीरीज बचानी है ते चयनकर्ताओं को टीम के सेटअप में भी बदलाव करने होंगे। दोनो ही टीमों के दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से शुरु होगा। उन्होंने कहा कि जेक वेदरल्ड को दूसरे टेस्ट से बाहर किया जाना ही पर्याप्त नहीं है। चैपल ने कहा कि अगर आप शुरु में ही गलत खिलाड़ियों को शामिल करते हैं, तो आप अपने को परेशानी

में डाल सकते हैं। उनके अनुसार, चयनकर्ताओं ने अपने फैसलों से यह दिखाया है कि वे चीजों को उतनी अच्छी तरह से नहीं समझते जितना उन्हें समझना चाहिए। मेरे विचार से, चयनकर्ताओं ने ही से ये परेशानी बढ़ायी है। अब उन्हें इससे बाहर निकलने का रास्ता भी स्वयं ही तलाशना होगा। वहीं चैपल ने कहा कि युवा सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास की भी टीम में वापसी होनी चाहिये। उन्हें पिछले साल वेस्टइंडीज के खराब दौरे के बाद बाहर कर दिया गया था। इस पूर्व कप्तान के अनुसार कॉन्स्टास को रेनशॉ के साथ पारी की शुरुआत करनरी चाहिये। इससे ट्रैविस हेड मध्यक्रम में खेल सकेंगे। उन्होंने मार्नस लाबुशेन को नंबर तीन पर खिलाने के फैसले की भी आलोचना की। चैपल के मुताबिक, लाबुशेन पिछले काफी समय से संघर्ष करते रहे हैं, ऐसे में उनकी जगह पर स्टीव स्मिथ उतारना चाहिये।

बिजनेस

प्रमोदिनी मेडिकेयर की स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

हेल्थकेयर सेक्टर की कंपनी प्रमोदिनी मेडिकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 118 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.69 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 120 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के ये शेयर कुछ देर में ही 114 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर उछल कर 125.55 रुपये के स्तर तक पहुंचे। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 2:30 बजे तक के कारोबार के बाद ये शेयर 123 रुपये के स्तर पर कारोबार कर

रहे थे। इस तरह अभी तक कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर पांच रुपये यानी 4.24 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। प्रमोदिनी मेडिकेयर का 69.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,51,200 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 63 करोड़ रुपये के 53,50,800 नए शेयर जारी हुए हैं, जबकि लगभग छह करोड़ रुपये के 5,00,400 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी डायग्नोस्टिक सेंटर्स के लिए इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। प्रमोदिनी मेडिकेयर की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 7.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 11.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 17.38 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 35.79 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 38.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एयर इंडिया के निवर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन एयर न्यूजीलैंड के निदेशक मंडल में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली । विमानन कंपनी एयर न्यूजीलैंड ने एयर इंडिया के निवर्तमान मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन को अपने निदेशक मंडल में शामिल किया है। एयर न्यूजीलैंड ने बुधवार को शेयर बाजार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया, ''विमानन कंपनी के पूर्व कार्यकारियों कैंपबेल विल्सन और रॉबर्ट मैकडोनाल्ड को निदेशक मंडल में शामिल किया गया है। ये नियुक्ति विमानन कंपनी की वार्षिक आम बैठक में मतदान के जरिये उनके पुनर्निर्वाचन के अधीन है।'' कंपनी ने कहा कि एयर न्यूजीलैंड की वार्षिक आम बैठक (एएसएम) 24 सितंबर को होगी। विल्सन न्यूजीलैंड के मूल निवासी हैं। विल्सन के पास विमानन क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव है और उन्होंने सिंगापुर एयरलाइंस में विभिन्न वरिष्ठ कार्यकारी पदों पर काम किया है। एयर इंडिया और उसके बदलाव संबंधी प्रयासों का नेतृत्व कर रहे विल्सन के इस्तीफे के घोषणा एयर इंडिया ने 7 अप्रैल को की थी। उल्लेखनीय है कि घाटे में चल रही टाटा समूह की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया ने इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम को अपना सीईओ एवं एमडी नियुक्त किया है।

गजा अल्टरनेटिव का आईपीओ लॉन्च, 21 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

कैटेगरी वन और कैटेगरी टू के इंडिया फोकस फंड्स के लिए इनवेस्टमेंट मैनेजर के रूप में और भारत में कंपनियों को कैपिटल देने वाले ऑफशोर फंड्स के लिए एडवाइजर के तौर पर काम करने वाली कंपनी गजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट का 550 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक 21 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे।

इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन शाम तीन बजे तक इस आईपीओ को 68 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 152 रुपये से लेकर 160 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 93 शेयर

का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 93 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,880 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,93,440 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,209 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,43,75,000 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 450 करोड़ रुपये के 2,81,25,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि लगभग 100 करोड़ रुपये के 62,50,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचा जा रहा है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए ज्यादा से ज्याद 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। गजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 44.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 61.95 करोड़ रुपये के स्तर पर और पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में उछल कर 81.96 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शिपरॉकेट की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

एसएमई और बड़े रिटेलर्स को ई-कॉमर्स सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी शिपरॉकेट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने धांसू एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 97 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 33.51 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 129.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 35.05 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 131 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में तेजी का रुख बन गया। लगातार हो रही खरीदारी के कारण

दोपहर एक बजे के करीब ये शेयर उछल कर 155.40 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 1:30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 153.79 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 56.79 रुपये यानी 58.55 प्रतिशत का फायदा हो गया था। शिपरॉकेट का 1,617.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 102.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 125.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 92.58 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 48.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ वाणिज्य मंत्री सिंगापुर रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत और सिंगापुर के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए उद्देश्य से 70 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ सिंगापुर दौरे पर आज रवाना हो गए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल का तीन दिवसीय आधिकारिक दौरा 19 अगस्त से शुरू हुआ। वाणिज्य मंत्री इस यात्रा के दौरान भारत-सिंगापुर मंत्री-स्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) और चौथे भारत-सिंगापुर व्यापार गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। मंत्रालय के अनुसार गोयल 20 अगस्त को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चौथी भारत-सिंगापुर मंत्रीस्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) में भाग लेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि यात्रा के दौरान मंत्री सिंगापुर के अपने समकक्षों और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। गोयल के साथ व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में कृत्रिम मेधा (एआई), विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, खाद्य एवं कृषि, लॉजिस्टिक्स, समुद्री क्षेत्र और व्यापार से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हैं। इस बातचीत में साझेदारी, निवेश, बाजार पहुंच, प्रौद्योगिकी सहयोग और प्रतिभा विकास पर ध्यान दिया जाएगा।

क्यूएंडटी फूड्स ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकन बेकर्स ब्रैंड नेम से बेकरी प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन करने वाली कंपनी क्यूएंडटी फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 115 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 115 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण दोपहर एक बजे के करीब ये शेयर गिर कर 109.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के

कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.75 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। क्यूएंडटी फूड्स का 26.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.20 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.64 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22,82,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। क्यूएंडटी फूड्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

साउथ एक्ट्रेस मालविका शर्मा से बीफ पर पूछा गया सवाल, रिपोर्टर पर भड़के लोग; जानें पूरा मामला

सा साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री और वकील मालविका शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'खलीफा' के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। लेकिन हाल ही में केरल में आयोजित एक प्रोमोशनल इवेंट के दौरान उनके साथ एक ऐसी घटना घटी, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मीडिया से बातचीत चल रही थी, तब एक रिपोर्टर ने मालविका शर्मा से बीफ खाने को लेकर एक ऐसा सवाल पूछ लिया, जिससे वह काफी असहज महसूस करने लगीं। हालांकि, मालविका ने स्थिति की संवेदनशीलता को समझते हुए खुद पर नियंत्रण रखा और बेहद शांतिपूर्ण व परिपक्व तरीके से इसका जवाब दिया। इसके बावजूद, घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स का गुस्सा फूट पड़ा है और इस तरह के सवाल की जमकर आलोचना हो रही है। मालविका शर्मा अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'खलीफा' के प्रमोशन के सिलसिले में केरल पहुंची थीं।

वहां आयोजित मीडिया इंटरेक्शन में रिपोर्टर्स ने उनसे केरल यात्रा और वहां के खान-पान के अनुभवों के बारे में सवाल पूछे। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें केरल में क्या-क्या पसंद आया, तो मालविका ने बहुत ही सादगी से जवाब दिया कि उन्हें बहुत अधिक व्यंजन आजमाने का मौका तो नहीं मिला, लेकिन उन्होंने चावल, ग्रेवी और कई तरह की स्थानीय करियों का स्वाद चखा है। रिपोर्टर का यह सवाल सुनते ही मालविका शर्मा एक पल के लिए हैरान रह गईं। वह साफ तौर पर असहज नजर आईं, क्योंकि वह पूरी तरह से शाकाहारी हैं। किसी भी शाकाहारी व्यक्ति से अचानक बीफ जैसे मांसाहारी भोजन पर सवाल पूछा जाना किसी को भी हैरान कर सकता है। हालांकि, मालविका ने बिना अपना आपा खोए, बेहद शांत और शालीन भाव से जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह पूर्णतः शाकाहारी हैं और उन्होंने बीफ या कोई भी मांसाहारी भोजन नहीं खाया है। उनके इस सधे हुए और गरिमापूर्ण जवाब की हर तरफ तारीफ हो रही है कि कैसे उन्होंने इतने उकसावे वाले सवाल को भी समझदारी से संभाल लिया। मालविका के जवाब के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक नई बहस छिड़ गई है। यूजर्स और उनके फैंस इस बात को लेकर बेहद नाराज हैं कि एक प्रतिष्ठित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक्ट्रेस से ऐसा सवाल क्यों पूछा गया। अधिकांश यूजर्स का मानना है कि यह सवाल मालविका से अनजाने में नहीं, बल्कि जानबूझकर पूछा गया था। लोगों का कहना है कि यह सवाल एक्ट्रेस को उकसाने के लिए दागा गया था ताकि वह गुस्से में आकर कोई विवादित प्रतिक्रिया दें और मीडिया का एक वर्ग केवल व्यूज और सोशल मीडिया पर किसी मुद्दे को 'ट्रेंड' कराने के लिए इस तरह के संवेदनशील सवाल पूछता है। सिनेमा और फिल्म प्रमोशन के मंच पर कलाकारों के काम की जगह उनके पर्सनल फूड चॉइस को लेकर ऐसे गैर-जरूरी सवाल पूछना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। इंटरनेट पर लोग रिपोर्टर की इस हरकत की कड़ी निंदा कर रहे हैं और मालविका शर्मा के संयम की सराहना कर रहे हैं। मालविका शर्मा केवल साउथ फिल्मों की एक खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्री ही नहीं हैं, बल्कि उनके पास कानून की डिग्री भी है। वह पेशे से एक वकील भी हैं, जिसके कारण उनकी संवाद शैली और बुद्धिमत्ता हमेशा उनकी बातचीत में दिखाई देती है। मालविका ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2018 में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार रवि तेजा के साथ फिल्म 'नेला टिकट' से की थी। इसके बाद वह 2021 में आई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'रेड' में राम पोथिनेनी के साथ नज़र आईं, जहां उनके अभिनय की काफी सराहना हुई। मालविका ने अपने करियर में कई अलग-अलग भाषाओं और शैलियों की फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'कॉफी विद कढहल', 'भीमा', और 'हरोम हरा' जैसी प्रमुख फिल्में शामिल हैं। अपनी कानून की पढ़ाई और एक्टिंग करियर के संतुलन के लिए जानी जाने वाली मालविका शर्मा ने इस पूरे घटनाक्रम में एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह न सिर्फ अपनी अदाकारी से, बल्कि अपनी परिपक्वता से भी लोगों का दिल जीतना जानती हैं।

कंगना रनौत को ईशा कोप्पिकर के 'अंधभक्त' होने पर गर्व, कहा- मैंने निर्भया कांड से लेकर टीचर के खिलाफ प्रदर्शन किया

हा हाल ही में एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने खुद को गर्व से 'अंधभक्त' बताकर सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी। मंगलवार को इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में उन्होंने साफ किया कि उनकी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि देश और उसकी तरक्की के लिए है। अब बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत ने ईशा की बात का समर्थन किया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ईशा का वीडियो शेयर किया और बताया कि वह उनकी बात से क्यों सहमत हैं। उन्होंने लिखा, 'वाह, मेरे लिए इसे बहुत अच्छे से समझाया गया है – जैसे हाई स्कूल में मैंने उस टीचर का विरोध किया था जो असेंबली के दौरान बच्चों के सिर पर डंडे से मारता था, 26/11 की हिंसा का विरोध किया। निर्भया कांड की बर्बरता का विरोध किया। अपनी किसी भी कमी या मुश्किल के लिए कभी माता-पिता को दोष नहीं दिया। बल्कि पूरे परिवार को उसी जीवन स्तर तक ऊपर उठाया जिसे मैंने खुद अपनी मेहनत से हासिल किया था।' साल 2019 में भारतीज जनता पार्टी जॉइन करने वालीं ईशा कोप्पकिर ने आगे कहा, 'मैं जिससे भी मिलती हूं, वे मुझे 'भक्त' मानते हैं। मुझे अपने देश और अपने लोगों से प्यार है। मुझे अपनी जिंदगी से भी बहुत प्यार है।' अपने ओरिजिनल वीडियो में, ईशा ने 'अंधभक्त' शब्द के इस्तेमाल के बारे में बताया और कहा, 'हां, मैं एक अंधभक्त हूं। अगर अपने देश से प्यार करना और उसे तरक्की करते देखना ही भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त... अंधभक्त होने पर गर्व है। लेकिन मेरी यह अंधी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश के लिए है।' देश सबसे पहले है। मैं सरकार से सवाल कर सकती हूं और उसकी नीतियों से असहमत हो सकती हूं। और फिर भी पूरे दिल से अपने देश से प्यार कर सकती हूं। यह देश मेरा घर है, जहां मैंने अपनी आजीविका कमाई है और कमा रही हूं, और जहां मुझे लगातार मौके मिलते रहे हैं। एक्ट्रेस और बीजेपी नेता ईशा ने आगे भारत के प्रति अपने गर्व के बारे में बात की और कहा, 'इसलिए, मुझे अपने देश पर गर्व करने में कोई शर्म नहीं है। आप चाहे कहीं भी रहें, उस जगह से प्यार करना, उसका सम्मान करना और उसमें योगदान देना सीखें। आपने जो घर चुना है, उस पर गर्व करें। क्योंकि देशभक्ति सिर्फ़ यह कहना नहीं है कि 'मुझे अपने देश से प्यार है'। यह कुछ ऐसा करना है जिससे आपके देश में सुधार हो।'

Gen Z को कहा था जेनरेशन गटर

कंगना रनौत का कमेंट जंतर-मंतर पर 'जेन जी' (Gen Z) के विरोध प्रदर्शनों की उनकी पिछली आलोचना को लेकर आया है। पिछले महीने, उन्होंने कुछ प्रदर्शनकारियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी एक जगह पर इतनी बदसूरती नहीं देखी। 'जेन जी' के विरोध प्रदर्शनों की ये रील्स उल्टी लाने वाली हैं।' जिस तरह से वे बात करते हैं और जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं... मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी हर एक फ्रेम में सब कुछ इतना खटकने वाला और इतना भद्दा एक साथ नहीं देखा... मैं उन्हें जेनरेशन गटर कहती हूं। उनमें से कुछ के पास सिस्टम को देने के लिए कुछ भी नहीं है। वे पढ़ाई-लिखाई में अच्छे नहीं हैं। उनकी बातों की बाद में आलोचना हुई। कंगना ने बाद में साफ किया कि NEET-UG पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों के बारे में उन्होंने कोई आम बात नहीं कही थी। बुधवार को समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने 'खास तौर पर कुछ लोगों या कुछ महिलाओं' का जिक्र किया था।

सबा पटौदी का खुलासा : मां शर्मिला टैगोर ने सिखाई इस्लाम की सीख

हिं हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी की बेटी सबा अली पटौदी से एक इंटरव्यू में सवाल पूछा गया, "क्या आप धार्मिक हैं?" इस पर सबा ने जवाब दिया, "मैं बहुत धार्मिक हूं, लेकिन मुझे लगता है कि धर्म से ज्यादा मैं आध्यात्मिक हूं।
हालांकि, आध्यात्मिक होने के लिए मेरा जुड़ाव इस्लाम से है। इसलिए मेरे लिए दोनों लगभग एक ही हैं। मैं कहूंगी कि मेरा धर्म इस्लाम है और मेरा इससे जुड़ाव है। अगर मुझे भगवान के बारे में सोचना हो, तो मैं उन्हें अल्लाह कहूंगी।" सबा ने अपने माता-पिता की अंतरधार्मिक शादी और धार्मिक परवरिश पर बात की है। उन्होंने बताया कि शादी के बाद उनकी मां ने इस्लाम अपनाया था और बच्चों को भी इसके बारे में सिखाया। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता ने उन्हें, सैफ अली खान और सोहा अली खान को कोई धर्म मानने के लिए मजबूर नहीं किया। सबा ने आगे कहा, "इसका मतलब यह नहीं है कि मैं दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करती। बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि बौद्ध धर्म भी काफी हद तक मेरी सोच से जुड़ता है और सभी धर्मों की बात करें, तो एक ही शक्ति का स्रोत है। मैं इसमें भी विश्वास करती हूं। आप उसे अल्लाह कह सकते हैं, राम कह सकते हैं या अपनी सुविधा के हिसाब से कोई भी नाम दे सकते हैं। मैं शायद उन्हें अल्लाह कहूंगी, लेकिन वास्तव में वह एक ही एनर्जी का सोर्स है, जिससे हम सभी जुड़े हुए हैं। इसलिए यह वास्तव में अलग नहीं है।" सबा ने अपनी मां शर्मिला टैगोर को लेकर बताया, "जब अम्मा और अब्बा की शादी हुई, तो मेरी मां ने वास्तव में इस्लाम धर्म अपना लिया था। उन्होंने हमें भी इस्लाम के बारे में बताया, ताकि हम कन्फ्यूज न हों और हमें किसी तरह की एक समझ मिल सके। इसलिए हमारे घर में मंदिर नहीं था। हमने हिंदू धर्म का पालन नहीं किया। वास्तव में, उन्होंने मुझे मेरे धर्म के बारे में सिखाया और इस्लाम, रमजान और उससे जुड़ी चीजों को समझाया।" उन्होंने आगे कहा, "इसके बाद यह हमारी पसंद थी कि हम क्या अपनाना चाहते हैं। हम तीन भाई-बहनों में से मैं अपनी आस्था से सबसे ज्यादा जुड़ी हुई थी। इसलिए मैं इसे मानती हूं। यह कुछ ऐसा है, जिसे मैं करती हूं।"

अपूर्वा मुखीजा ने न्यूयॉर्क में बसाया डेरा, सोशल मीडिया स्टार 'रेबेल किड' अपूर्वा मुखीजा ने छोड़ा भारत

इं 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जैसे शो से चर्चा में आईं मशहूर कंटेंट क्रिएटर, इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस अपूर्वा मुखीजा (जिन्हें फैंस 'रेबेल किड' के नाम से भी जानते हैं) ने भारत छोड़कर अमेरिका में बसने का फैसला किया है। 26 वर्षीया अपूर्वा अब न्यूयॉर्क शहर में अपनी आगे की पढ़ाई पूरी करेंगी और कॉलेज लाइफ का आनंद लेंगी। एक हालिया पॉडकास्ट ('अनट्रिगर्ड विद अमीनजैज') में अपनी ज़िंदगी के इस नए अध्याय का खुलासा करते हुए अपूर्वा ने बताया कि भारत में उनका सोशल सर्कल उनकी सोच और नए अवसरों को सीमित कर रहा था। वह हमेशा से अमेरिकी कॉलेज जीवन का अनुभव करना चाहती थीं। अपूर्वा ने साझा किया कि दुनिया भर में घूमने के बाद जब वह न्यूयॉर्क पहुंचीं, तो वहां के माहौल, रफ्तार, फैशन, बेहतरीन खाने और वास्तुकला ने उनका दिल जीत लिया। उन्होंने केवल एक ही कॉलेज में आवेदन किया था, क्योंकि वह सिर्फ इसी शहर में पढ़ना चाहती थीं और दाखिला मिलते ही उन्होंने शिफ्ट होने का मन बना लिया।

फैंस और नेटिज़न्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

जैसे ही अपूर्वा के न्यूयॉर्क शिफ्ट होने और वहां की कॉलेज लाइफ शुरू करने की खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर उनके फैंस और फॉलोअर्स की तरफ से प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई फैंस उनके इस फैसले की जमकर तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपने करियर के पीक पर आकर भी अपनी पढ़ाई और निजी विकास को प्राथमिकता दी। लोगों का कहना है कि इतने बड़े मुकाम पर पहुंचकर सब कुछ छोड़कर दोबारा एक स्टूडेंट लाइफ शुरू करने के लिए बहुत हिम्मत की जरूरत होती है। वहीं, कुछ नेटिज़न्स यह भी कयास लगा रहे हैं कि क्या अपूर्वा हमेशा के लिए भारत और अपनी एक्टिंग इंडस्ट्री छोड़ रही हैं, या फिर यह पढ़ाई पूरी करने तक का एक छोटा ब्रेक है। हालांकि, अपूर्वा ने अपने पॉडकास्ट में यह साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस नए शहर की ऊर्जा को जीना चाहती हैं और खुद को एक नए रूप में तलाशना चाहती हैं।

भारत का सफल

भारत में अपने सफल करियर को पीछे छोड़ने पर अपूर्वा ने कहा कि उनके पास यहां एक अच्छा घर, काम में मदद करने वाले लोग, बेहतरीन दोस्त, अच्छी कमाई और एक स्थापित पहचान थी। लेकिन इन सब सुविधाओं के बावजूद उन्होंने मैनहट्टन के एक सामान्य कॉलेज हॉस्टल में रहकर एक साधारण छात्र की तरह जीने का रास्ता चुना। जयपुर से बी-टेक की डिग्री हासिल कर चुकीं अपूर्वा मुखीजा ने बहुत कम समय में डिजिटल दुनिया से लेकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री तक अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने इब्राहिम अली खान के साथ फिल्म 'नादानियां' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके अलावा वह 'हूज योर गाइनेक?' (2023) और 'बात पक्की' (2025) जैसे लोकप्रिय वेब शोज के साथ-साथ 'द ट्रेटर्स सीजन 1' और 'लॉक अप सीजन 2' जैसे चर्चित रियलिटी शोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। अपूर्वा मुखीजा का 'रेबेल किड' से एक अंतर्राष्ट्रीय छात्रा बनने तक का यह फैसला आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की बदलती सोच को दर्शाता है। एक समय था जब केवल डिजिटल कंटेंट बनाकर लोग संतुष्ट हो जाते थे, लेकिन अपूर्वा जैसे यंग क्रिएटर्स अब केवल इंटरनेट की दुनिया तक सीमित नहीं रहना चाहते। वह अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर खुद को नए शैक्षणिक और सांस्कृतिक माहौल में ढालना चाहते हैं। अपूर्वा ने हमेशा अपने बेबाक अंदाज और ईमानदारी से अपने जीवन के पलों को फैंस के साथ साझा किया है। भारत में उनकी सफलता बेहद शानदार रही, लेकिन जब कोई क्रिएटर बहुत कम उम्र में अत्यधिक शोहरत हासिल कर लेता है, तो कई बार एक ही तरह के ढर्रे में फंस जाने का डर बना रहता है। अपूर्वा ने अपने बातचीत में संकेत दिया कि भारत का उनका कम्फर्ट जोन उन्हें नए अनुभवों से दूर कर रहा था।

थलपति विजय की तरह राजनीति में एंट्री करेंगे 'यश'?

ज जहां साउथ के कई स्टार्स फिल्मों में सफल करियर के बाद पॉलिटिक्स में एंट्री कर चुके हैं, वहीं यश का फिलहाल ऐसा कोई इरादा नहीं है। हाल ही थलपति विजय ने फिल्मी करियर को अलविदा कहने के बाद न सिर्फ पॉलिटिक्स में कदम रखे, बल्कि वह अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भी हैं। तो क्या कभी यश भी थलपति विजय की तरह पॉलिटिक्स में हाथ आजमाएंगे? इस बारे में पूछे जाने पर एक्टर ने कहा कि फिलहाल एक्टिंग उनकी प्राथमिकता है, पर भविष्य में जरूरत हुई और संभावना दिखी, तो जा सकते हैं। यश इस वक्त अपनी दो फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ 'टॉक्सिक' है, जो 26 अगस्त को रिलीज होगी और दूसरी ओर'रामायणम्: पार्ट 1'है, जो दीवाली पर दस्तक देगी। अभी यश अपने एक्टिंग करियर पर ही फोकस कर रहे हैं, पर पॉलिटिक्स के लिए उन्होंने भविष्य के दरवाजे खुले रखे हैं। यश ने 'आप की अदालत' में कहा, 'मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अभी बहुत कुछ करना बाकी है। फिलहाल मेरा ध्यान इस बात पर है कि मैं अपनी इंडस्ट्री को बेहतर स्थिति में कैसे ला सकता हूं। राजनीति को लेकर मेरे मन में कोई हिचक नहीं है क्योंकि आखिरकार यह फैसले लेने और लोगों के लिए काम करने के बारे में है। अगर भविष्य में कभी जरूरत और संभावना महसूस हुई तो मैं इस बारे में सोचूंगा। लेकिन सच कहूं तो फिलहाल मेरी ऐसी कोई योजना नहीं है।'

टॉम क्रूज से शादी पर निकोल किडमैन का बड़ा खुलासा करियर बर्बाद होने की मिली थी चेतावनी

हॉ हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री निकोल किडमैन एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में 'ब्रिटिश वोग' को दिए एक इंटरव्यू में निकोल ने अपनी पहली शादी और तलाक से जुड़े कई ऐसे राज खोले हैं, जिन्होंने फैंस को हैरान कर दिया है। निकोल ने बताया कि जब उन्होंने हॉलीवुड के सुपरस्टार टॉम क्रूज से शादी करने का फैसला किया था, तब लोगों ने उन्हें ऐसा न करने की हिदायत दी थी।

प्यार के आगे करियर को माना था छोटा

निकोल किडमैन और टॉम क्रूज की पहली मुलाकात साल 1989 में फिल्म 'डेज ऑफ थंडर' के सेट पर हुई थी। शूटिंग के दौरान ही दोनों के बीच प्यार पनपा और उन्होंने साल 1990 में शादी कर ली। उस समय निकोल की उम्र महज 23 साल थी, जबकि टॉम क्रूज दुनिया के सबसे मशहूर अभिनेताओं में शुमार हो चुके थे।

निकोल ने इंटरव्यू में बताया कि शादी के फैसले पर लोगों ने उन्हें आगाह किया था कि एक स्थापित सुपरस्टार से शादी करने से उनका खुद का एक्टिंग करियर प्रभावित हो सकता है। लोगों ने यहां तक कहा था कि इसका उनके भविष्य पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। लेकिन निकोल ने किसी की परवाह नहीं की। उनके मुताबिक, वह टॉम के प्यार में इतनी गहराई से डूबी हुई थीं कि अगर उन्हें इस रिश्ते के लिए अपना करियर छोड़ना भी पड़ता, तो वह खुशी-खुशी छोड़ देतीं। तमाम चेतावनियों के बावजूद निकोल और टॉम ने अपनी शादीशुदा जिंदगी की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने दो बच्चों को गोद भी लिया। हालांकि, प्यार से शुरू हुआ यह रिश्ता लंबा नहीं टिक सका और शादी के 11 साल बाद, यानी 2001 में दोनों कानूनी रूप से अलग हो गए।

दूसरे पति कीथ अर्बन से भी हुआ तलाक

टॉम क्रूज से अलग होने के बाद निकोल की जिंदगी में ऑस्ट्रेलियाई-अमेरिकी सिंगर कीथ अर्बन आए। दोनों की मुलाकात 2005 में हुई और अगले ही साल 2006 में उन्होंने शादी रचा ली। लेकिन निकोल का यह दूसरा रिश्ता भी स्थायी साबित नहीं हुआ। लंबे समय तक साथ रहने के बाद 2025 में दोनों के बीच दूरियां आ गईं और आखिरकार जनवरी 2026 में दोनों का आधिकारिक रूप से तलाक हो गया। फिलहाल निकोल किडमैन अपनी लाइफ में सिंगल हैं और अपने नए सफर पर ध्यान दे रही हैं।

BRIFF NEWS

On his first visit to J&K, US envoy Sergio Gor to meet Omar

Srinagar, Agency: US ambassador to India, Sergio Gor, is scheduled to arrive in Jammu & Kashmir on Wednesday for his first visit to the union territory.

Gor, the 27th US ambassador to India who also serves as his country's special envoy for South and Central Asia, is likely to meet lieutenant governor Manoj Sinha and CM Omar Abdullah.

NC spokesperson and legislator Tanvir Sadiq said Gor would be meeting Omar at his Gupkar residence Wednesday afternoon. Gor will leave for Ladakh on Thursday. However, it is not clear whether he is meeting Ladakh LG Vinai Kumar Saxena, who is in New Delhi and will be returning to Leh only on Aug 22. Though US diplomats have often visited Kashmir over the past few years, Gor's visit is seen as significant in the Valley given his profile.

Former minister and PDP spokesperson Naeem Akhtar said, "Given that Gor is also the special envoy to South and Central Asia, the visit assumes some significance. Especially in the context of Trump's wholesome endorsement of recent Pak-Saudi-Turkey defence pact."

In 2024, a delegation of US diplomats had met Omar Abdullah, then vice-president of the National Conference, at his residence.

Goa moves SC, seeks life imprisonment for Tejpal for sex assault

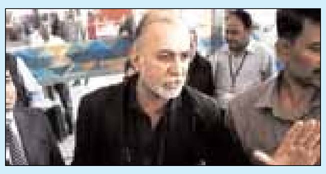

New Delhi, Agency: Even before former Tehelka editor-in-chief Tarun Tejpal could challenge his conviction and the 10-year imprisonment awarded by the Goa bench of Bombay HC in a sexual assault case, Goa govt Tuesday filed an appeal in Supreme Court seeking enhancement of the sentence to life imprisonment, arguing that he got away lightly given the gravity of the offence. Goa govt's appeal said the woman was his employee and friend's daughter, and Tejpal misused his position of authority to commit the offences when she was performing her duties at an event organised by him in his capacity as employer.

The state contested the HC's decision to direct the two 10-year sentences to run concurrently since the crime was committed 13 years ago and the woman and the convict had moved on with their lives. "Passage of time cannot operate to the benefit of the offender or become a premium for the delay in the administration of justice, particularly at the cost of the victim," govt said. "The sentence imposed does not adequately reflect the gravity of the offences or the aggravating circumstances found proved.

NTA removes 600 experts, brings 4-tier paper checks

New Delhi, Agency: National Testing Agency (NTA) has removed 600 experts from its panels and begun onboarding new specialists, while deciding to subject every paper to four levels of scrutiny before an examination.

NTA director general apprised education minister Pralhad Joshi on Tuesday of the measures at a follow-up review meeting. The agency informed the ministry that it will also induct 20-25 officials over the next two to three weeks and shift its offices to new premises on a "war footing", with CISF teams deployed to reinforce security.

4-tier check to boost scrutiny at different stages of paper setting

Education minister Pralhad Joshi, it is learned, has directed that all necessary security and infrastructural arrangements be completed at the earliest. The agency's wider recruitment plan was also reviewed.

The four-tier checking mechanism is to strengthen scrutiny at different stages of question-paper preparation, and detect factual, language, translation and formatting errors before papers are finalised. The move comes after serious defects in English, Commerce and Sociology question papers.

NTA had received several complaints about the three papers. A committee subsequently found multiple factual, typographical and translation errors, wrongly worded questions and significant repetition. It concluded that the defects were too extensive. Tuesday's meeting followed Joshi's first review on Monday, when he ordered a comprehensive audit of NTA's examination processes and sought a report on corrective action taken.

He also directed an overhaul of the agency's confidential operations, including secluded rooms for sensitive work, air-gapped computer systems and device-deposit protocols.

Officials had separately informed the minister that over 50 NTA staff had been removed as part of the agency's broader restructuring. The action was not linked to errors in the three papers. NTA is also filling 10 professional leadership posts, including chief technology officer, chief finance officer, chief information security officer and general managers for test security, research and psychometrics. Private-sector specialists are being inducted in areas such as cybersecurity, psychometrics and question-paper design.

Panel seeks 20% cap on drug medical device mark-ups

New Delhi, Agency: A parliamentary panel has recommended that the gap between the landing price, or the cost at which a medicine or medical device reaches the market, and its MRP should not exceed 20%, citing wide price disparities that can increase patients' out-of-pocket expenditure.The Standing Committee on Health and Family Welfare cited Tenecteplase, a life-saving clot-busting drug used during the golden hour of a heart attack, as an example. According to the report, its

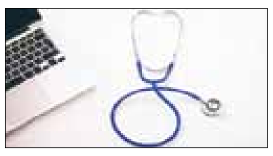

landing cost is Rs 18,000, while the MRP is Rs 50,000, with patients being billed at the MRP.

The panel said the gap between landing cost and MRP needs to be reduced to make medicines and medical devices more affordable. It also recommended rationalising the prices of peripheral stents and drug-eluting balloons.

Pointing to the impact of price regulation, the committee noted that cardiac stents, which earlier cost around Rs 1.9 lakh, were capped at Rs 25,000-30,000 in 2017.

The panel, however, stressed that lowering prices should not compromise the quality or availability of med-

Food labels, claims under FSSAI scanner firms revise products after notices

New Delhi, Agency: Misleading claims, incorrect product descriptions, ingredient declarations and packaging material have come under the scanner of the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), with several businesses taking corrective action after notices.Lotte India Corporation Pvt Ltd was flagged over "100%" claims and subsequently rectified its labels. Dabur India Ltd was pulled up for selling an Ayurvedic proprietary medicinal oil as edible oil. It informed e-commerce platforms about the product's correct categorisation and discontinued use of "edible oil".

Ferns N Petals Pvt Ltd was flagged for using hydrogenated vegetable fat instead of cocoa butter and deficiencies in ingredient and nutritional declarations, including recommended dietary allowance and mango percentage. It subsequently revised labels of affected products, including Roasted Almond Chocolate.

Eat Better Ventures Pvt Ltd was flagged over a "No Added Sugar" claim and a comparative claim involving ordinary ladoos. It removed the comparative claims and revised its advertising.

FSSAI also flagged S S Product Prop over non-food-grade packaging material and mandatory labelling deficiencies, citing a potential contamination concern. The firm said it had been closed since February 2026 and would comply with applicable provisions if the business resumed.

Another notice concerned OM Sai Healthcare's Vedefal capsules, with FSSAI flagging non-compliance with provisions governing health supplements and nutraceuticals and concerns over product claims and declarations. The company acknowledged the observations, revised marketing material and instructed dealers to discontinue previous promotional material.

Satyendar Jain, Delhi Jal Board ex-CEO among 6 arrested for 'scam'

New Delhi, Agency: Nearly two years after Satyendar Jain, former minister in erstwhile AAP govt, was released on bail from Tihar Jail in an alleged ED money laundering case filed, Delhi govt's Anti-Corruption Branch Tuesday arrested him, along with Delhi Jal Board ex-CEO Udit Prakash Rai and four others in an alleged DJB scam.

Jain had spent nearly one-and-a-half years in incarceration after being arrested in the money laundering case on May 31, 2022. He was granted bail on Oct 18, 2024.

According to joint commissioner of police Vikramjit Singh, the case stems from a formal complaint filed by the directorate of vigilance which

alleges widespread irregularities, manipulation of tender criteria and illicit collusion in the tendering process for the augmentation and upgradation of DJB's sewage treatment plants. The other four individuals taken into custody are former DJB contractual consultant Ankit Srivastava, AN Enterprises proprietor Nagendra Yadav, Euroteck Environment owner Raja Kumar Kurra and Srijanhar proprietor Pankaj Verma.

ACB investigations claimed to have revealed that the tendering criteria were heavily tailored to mandate restrictive technical specifications that favored Euroteck Environment, "thereby stifling fair competition".

"Essential effluent parameters were omitted, a mandatory pilot study was bypassed and sudden technical specification changes were inserted to deliver significant, unfair financial benefits to the private entity at a steep cost to the public exchequer," ACB alleged. Electronic evidence seized during the probe uncovered active communications between the private operators and govt officials, showing that draft corrigenda and restrictive terms were routinely shared before being officially integrated into DJB tender notices, it added. Financial tracing uncovered a complex money-trail designed to disguise kickbacks as commercial transactions through intermediary entities, specifically Srijanhar and AN Enterprises, the agency alleged. ACB claimed to have established that Udit Prakash Rai, as then DJB CEO, received bribes of Rs 1.5 crore through banking channels via Nagendra Yadav's firm, AN Enterprises, with the initial funds originating from Euroteck. These illicit proceeds were subsequently routed into accounts belonging to Rai and his relatives, where they were utilised to purchase immovable property, it alleged.

ED raids 10 locations linked to SP leader Azam Khan, Jauhar University across UP, Delhi

New Delhi, Agency: The Enforcement Directorate (ED) on Wednesday conducted searches in Uttar Pradesh's Rampur and Saharanpur and Delhi in connection with Samajwadi Party leader Azam Khan.

Officials said around 10 premises in Rampur and Saharanpur in Uttar Pradesh and Delhi were being searched as part of a case registered under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA). Officials said the investigation pertains to the alleged "diversion of government contract funds through private contractors and their subsequent utilisation, including for creation of assets of the university and trust."

"The investigation has also revealed financial transactions between certain contractors and the trust and contractors allegedly benefiting from Government contracts diverted funds towards the trust and university, including substantial donations and construction works," the officials said, as cited by ANI.

Three-day RSS coordination meeting to discuss demographic imbalance, youth de-addiction

Visakhapattanam, Agency: The Rashtriya Swayamsevak Sangh's (RSS) upcoming three-day All India Coordination Meeting will primarily deliberate on issues including demographic imbalance and drug abuse among youth, RSS Akhil Bharatiya Prachar Pramukh Sunil Ambekar said on Tuesday.

Addressing mediapersons at the venue, Ambekar said the 'Akhil Bharatiya Samanvay Baithak' will be held at Vijnana Vihara School in Gudilova, near Visakhapatnam, from August 19 to August 21.

The meeting will commence on August 19 and continue until the evening of August 21, he said.

Key functionaries from 32

Sangh-inspired organisations will participate in the meeting. RSS Sarsanghchalak Mohan Bhagwat, Sarkaryavah Dattatreya Hosabale, Sah-Sarkaryavahs, and other central office-bearers will also attend.

National presidents, general secretaries and organising secretaries of various Sangh-inspired organisations, including Bharatiya Mazdoor Sangh, Vishva Hindu Parishad, Bharatiya Janata Party, Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad, Bharatiya Kisan Sangh and Rashtra Sevika Samiti, will participate.A total of approximately 327 delegates, including 253 functionaries from organisations across the country and 49 women delegates, along with RSS leaders, are expected to take part.

Ambekar clarified that the meeting is not an executive decision-making meeting, but is aimed at sharing experiences and strengthening coordination among Sangh-inspired organisations for the betterment of society.

RSS is engaged in activities such as public welfare, raising public awareness, systemic change, and problem-solving. Discussions will take place to strengthen mutual coordination among all the Sangh-inspired organizations.

Current national developments, social transitions, and practical solutions to emerging challenges will be reviewed and discussed during the meeting.

Deliberations will include changing demographic patterns across the country, their broader implications, and the necessary course of action, Ambekar said. Youth de-addiction, or 'Nasha Mukti', will also be a particular focus, with discussions on formulating a comprehensive action plan to keep youth away from drugs and substance abuse and creating wider awareness.

The meeting will also continue discussions on the five transformative dimensions of 'Panch Parivartan' - social harmony, an eco-friendly lifestyle, family values, sense of self or indigenous consciousness, and adherence to civic duties, which have been propagated by the Sangh during its centenary phase.

Ambekar said deliberations would also include formulating a holistic 'Bharatiya Development Model' that harmonises all spheres of society alongside economic growth. He said development should not be restricted to economic indicators but should encompass comprehensive progress across sectors.